

पर्यटन स्थलों पर नजर आएंगे जीविका के उत्पाद, हाट-बाजार बनाने की तैयारी :श्रवण

- ग्रामीण विकास मंत्री ने दिया अधिकारियों को निर्देश, कहा- गरीबों के जीविकोपार्जन और गांवों की आर्थिक समृद्धि से संबंधित काम को करें योजनाओं में शामिल
- जीविका और किसानों के उत्पादों की बेहतर मार्केटिंग के लिए गांवों में अत्याधुनिक हाट-बाजार बनाने के लिए निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। ग्रामीण क्षेत्र का विकास, जीविकोपार्जन के संसाधन बढ़ाने के साथ ही गांवों में अर्थव्यवस्था की रीढ़ मजबूत करने की दिशा में ग्रामीण विकास विभाग पूरी तरह से गंभीर है। इसी क्रम में शुक्रवार को ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री श्रवण कुमार ने नाबार्ड के साथ विभागीय अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक ली। इस बैठक में मंत्री श्री कुमार ने साफ कहा कि ग्रामीण विकास के लिए बनने वाली योजनाओं में गरीब-गुरबा की जरूरतों और उनके रोजगार का विशेष ख्याल रखा जाए। उन्होंने इस दिशा में राज्य के पर्यटन केंद्रों पर अत्याधुनिक हाट बनाने के निर्देश दिए। मंत्री श्री कुमार ने नाबार्ड के अधिकारियों से ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही उनकी योजनाओं और हाट-बाजार बनाने में संभावित सहयोग की विस्तृत जानकारी ली। कहा कि पर्यटन स्थलों पर हाट बनाने से जीविका और किसानों के उत्पादों का रानुद्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रचार-प्रसार होगा। साथ ही इन उत्पादों को उचित बाजार उपलब्ध हो सकेगा। इससे गांव के गरीबों की आमदनी बढ़ेगी और वह आत्मनिर्भर होंगे। साथ ही ग्रामीण



अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। मंत्री श्री कुमार ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि जीविका दीदी और दूसरे गरीबों को रोजगार उपलब्ध कराने से संबंधित योजनाओं का चयन प्राथमिकता के आधार पर किया जाय। इसके लिए उन्होंने पायलट प्रोजेक्ट के तहत डीपीआर बनाने के लिए एजेंसी का सहयोग लेने पर बल दिया। मंत्री श्री कुमार ने जीविका दीदी और दूसरे लोगों को प्लंबर की ट्रेनिंग देने, खेल मैदान का निर्माण व्यवस्थित तरीके से करने, ग्रामीण क्षेत्र में पुराना और खाली पड़े सरकारी भवनों को चिन्हित कर इसे हाट, बाजार के रूप में तैयार करने आदि के आवश्यक निर्देश जारी किए। कहा कि जीविका दीदियों के कौशल विकास के लिए उन्हें ट्रेनिंग कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय ताकि वह अपने उत्पादों का गुणवत्तापूर्ण उत्पादन कर सके और इसका राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मार्केटिंग का रास्ता आसान हो। उन्होंने प्रखंड स्तर पर कम से कम 10 महिला, युवतियों को प्रशिक्षण दिलाने के निर्देश दिए। कहा कि यह प्रशिक्षित महिलाएं जहां गुणवत्तायुक्त उत्पाद तैयार करेंगी वहीं दूसरी ओर वह दूसरी महिलाओं को ट्रेड करने की हुनर भी रखेंगी।

पहाड़ी इलाकों में पशुपालन पर जोर

मंत्री श्री श्रवण कुमार ने बैठक में शामिल अधिकारियों से कहा कि पहाड़ी विशेषकर पश्चिम चंपारण, मुंगेर, नवादा आदि जिलों में बकरी पालन को बढ़ावा देने का प्रस्ताव तैयार किया जाय। उन्होंने कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों में पशुपालन आसान होगा। इससे यहां के गरीबों के लिए जीविकोपार्जन का एक मजबूत प्लेटफॉर्म तैयार होगा और इसका प्रत्यक्ष लाभ महिलाओं को मिलेगा। उन्होंने कहा कि आदिवासी इलाकों में पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए अधिकारी प्रस्ताव तैयार करें और इसके लिए संबंधित क्षेत्र के लोगों को जागरूक भी किया जाय।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्लंबर की भारी मांग है। इसे ध्यान में रखते हुए अधिकारी जरूरतमंदों को ट्रेनिंग दिलाने की योजना तैयार करें। बैठक में विभागीय प्रधान सचिव पंकज कुमार ने नाबार्ड के अधिकारियों से कहा कि वह ग्रामीण क्षेत्रों की योजनाओं की वृहद पीपीटी बनाकर दें ताकि इन योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण विकास से संबंधित योजनाओं को सही तरीके से मूर्तरूप दिया जा सके। उन्होंने कहा कि अधिकारी इस बात को सुनिश्चित करें कि आगामी पांच वर्ष के भीतर ग्राम पंचायतों में कम से कम एक हाट बनकर तैयार हो जाए। मंत्री ने कहा कि सभी हाट को डिजिटल मार्केट से जोड़ने से संबंधित आवश्यक सुविधाओं को लागू करने पर जोर दिया। बैठक में जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी हिमांशु शर्मा, वीवी-जी राम जी योजना की आयुक्त अनन्या सिंह, नाबार्ड, पटना के मुख्य महाप्रबंधक गौतम कुमार सिंह, उप महाप्रबंधक लक्ष्मण कुमार के साथ मंत्री कुमार के आत सचिव सुनील कुमार आदि पदाधिकारियों की प्रमुख उपस्थिति रही।

किसान प्रशिक्षण और प्राकृतिक खेती के कार्यक्रमों से जुड़ेंगे कृषि महाविद्यालयों के छात्र : विजय

- कृषि मंत्री ने की कृषि शिक्षा, प्राकृतिक खेती, अनुसंधान एवं कृषि उद्यमिता को नई दिशा देने के लिए बिहार कृषि विश्वविद्यालय की समीक्षा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। प्राकृतिक खेती को जन-आंदोलन का स्वरूप देने के लिए किसान प्रशिक्षण और प्राकृतिक खेती के कार्यक्रमों से कृषि महाविद्यालयों के छात्रों को जोड़ा जाएगा। इसके लिए कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को आवश्यक निर्देश दिया है। वे कृषि भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर की समीक्षात्मक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, अनुसंधान, प्रसार, प्रशासनिक एवं वित्तीय गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा कृषि शिक्षा को रोजगारोन्मुख, अनुसंधान आधारित एवं किसान हितैषी बनाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान मंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय में स्वीकृत शिक्षक एवं शिक्षकेतर



कर्मियों के रिक्त पदों की सूची तैयार कर रक्तियों को बिहार लोक सेवा आयोग एवं बिहार कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से नियमानुसार जल्द भरने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कृषि महाविद्यालयों में नामांकन की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि राज्य के सभी कृषि महाविद्यालयों में उपलब्ध सीटों पर पेटेंटिंग लिस्ट बनाकर शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, कृषि शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार, स्टार्टअप, उद्यमिता एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी युवाओं तक व्यापक रूप से पहुंचाई जाए, ताकि अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं कृषि शिक्षा से जुड़ें। उन्होंने

कहा कि सरकारी विद्यालयों में स्थापित मिनी मिट्टी जांच प्रयोगशालाओं से कृषि छात्रों को जोड़ा जाए, ताकि उन्हें व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त हो सके। मंत्री ने विश्वविद्यालय की फूड टेस्टिंग प्रयोगशाला को अत्याधुनिक, पारदर्शी एवं उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप विकसित करने का निर्देश दिया। बैठक में राज्य के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को अतिक्रमण मुक्त कराने तथा इसकी जांच रिपोर्ट शीघ्र विभाग को उपलब्ध कराने का निर्देश भी दिया गया। मंत्री ने कहा कि बिहार सरकार कृषि शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, प्राकृतिक खेती, आधुनिक तकनीक एवं कृषि उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

श्रावणी मेला में कांवरियों को सभी आवश्यक सुविधाएं मिलेंगी : पर्यटन सचिव

- पर्यटन सचिव लोकेश कुमार सिंह ने श्रावणी मेला की तैयारियों को अंतिम रूप देने को लेकर भागलपुर, मुंगेर व बांका के जिला पदाधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। पर्यटन सचिव लोकेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को मुख्य सचिवालय स्थित पर्यटन विभाग कार्यालय में 30 जुलाई-28 अगस्त के मध्य आयोजित होने वाले श्रावणी मेला की तैयारियों को अंतिम रूप देने हेतु समीक्षा बैठक की। इस बैठक में विभाग के वरिय पदाधिकारीगण, जीविका के सीईओ तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भागलपुर, मुंगेर व बांका के जिला पदाधिकारी उपस्थित थे। पर्यटन सचिव ने सभी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि कांवरियों को सभी आवश्यक सुविधाएं देने हेतु अपने



सभी कार्य को तय समय सीमा से पूर्व हर हाल में पूर्ण करें। मेला क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण सफाई और बेहतर लाइटिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करें, कांवरियों के लिए सभी महत्वपूर्ण मोबाइल नंबरों वाले साईनजैज पूरे कांवरिया पथ पर लगाए जाएं और पथ पर समय से बालू बिछाने का कार्य, सुरक्षा हेतु पुलिस पेट्रोलिंग सुनिश्चित करें। गंगा घाट के पास कांवरियों की सुरक्षा के लिए विशेष बैरिकेडिंग करने के भी निर्देश दिए गए। पर्यटन विभाग के द्वारा श्रावणी मेला में कारंवरियों के सुविधापूर्ण आवासन हेतु कांवरिया पथ में विभिन्न स्थानों पर टेंट का निर्माण किया जाना है, जहां

स्नानघर, शुद्ध पेयजल, शौचालय, निर्बाध बिजली जैसी सभी आवश्यक सुविधाओं के साथ स्वच्छ और सुरक्षिपूर्ण भोजन हेतु जीविका दीदी की रसोई का संचालन किया जाएगा। वहां कांवर स्टैंड, सूचनाएं और मनोरंजन आदि की व्यवस्था की जानी है। सचिव ने बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक को निर्देश दिया कि टेंट सिटी में सफाई सतत और गुणवत्तापूर्ण हो, इसकी सतत मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने जीविका के सीईओ को निर्देशित करते हुए कहा कि दीदी की रसोई के लिए स्थान विभाग द्वारा दिया जाएगा, वहां स्वच्छ और सुरक्षिपूर्ण भोजन की

उपलब्धता सुनिश्चित करें, भोजन का रेट चार्ट भी अनिवार्य रूप से प्रदर्शित किया जाए। सुल्तानगंज में उद्घाटन के दिन बाबा अजगैबीनाथ मंदिर के निकट झोन शो व लेजर शो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का खास केंद्र होगा। श्रावणी मेला के शुभारंभ और समापन के अवसर पर राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों की प्रस्तुति होगी। पदाधिकारियों ने सचिव को जानकारी देते हुए बताया कि बाबा अजगैबीनाथ मंदिर, सुल्तानगंज से बिहार सीमा दुम्मा तक मेला पथ में जगह-जगह भव्य गेट, विशेष लाइटिंग, साज-सज्जा और शिवमंत्रों के जाप की ध्वनि की अनुगूंज हो, इसे ध्यान में रखते हुए अजगैबीनाथ, सुल्तानगंज सहित सभी टेंट सिटी में व्यवस्थाएं की जा रही है। बैठक में बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक सचिव उदयन मिश्रा, जीविका के सीईओ हिमांशु शर्मा, संयुक्त सचिव प्रदीप सिंह, बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के महाप्रबंधक चंदन चौहान सहित सभी संबंधित पदाधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित थे।

- श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुव्यवस्थित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। कला एवं संस्कृति विभाग के सचिव प्रणव कुमार ने सोमनाथ यात्रा की तैयारियों को लेकर पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन पर मौजूद सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया और श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुव्यवस्थित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। श्री कुमार ने कहा कि सोमनाथ यात्रा राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक पहल है। विभाग का प्रयास है कि प्रत्येक श्रद्धालु को सुरक्षित, सुविधाजनक और गरिमामय यात्रा का अनुभव प्राप्त हो। उन्होंने सभी संबंधित एजेंसियों

के बीच बेहतर समन्वय बनाते हुए यात्रा की हर व्यवस्था को उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान श्रद्धालुओं का स्वागत एवं पंजीकरण, बैठने की व्यवस्था, प्लेटफॉर्म प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, चिकित्सा सहायता, पेयजल, स्वच्छता एवं सूचना सहायता केंद्र, सामान प्रबंधन समेत कई व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। सचिव ने सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध और सुव्यवस्थित ढंग से पूरा करने के सख्त निर्देश दिए। 20 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाली इस यात्रा में लगभग 1100 श्रद्धालु विशेष रेलगाड़ी से पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन से प्रस्थान करेंगे। यात्रा के दौरान राज्य सरकार की ओर से श्रद्धालुओं को आवास, भोजन, स्थानीय परिवहन, चिकित्सा सहायता, सुरक्षा तथा अन्य सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगीं। मौके पर सांस्कृतिक कार्य निदेशालय की निदेशक रूबी, संग्रहालय निदेशक कृष्ण कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

निशांत के दूरदर्शी विजन से स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांतिकारी बदलाव की नई इबारत लिख रहा बिहार : उमेश

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि स्वास्थ्य मंत्री निशांत के दूरदर्शी विजन, रद्द संकल्प और जनहितैषी कार्यशैली के परिणामस्वरूप बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था अभूतपूर्व परिवर्तन की ओर अग्रसर है। स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी संभालने के बाद उन्होंने जिस सक्रियता और संवेदनशीलता का परिचय दिया है, वह जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता तथा स्वास्थ्य व्यवस्था में व्यापक सुधार के उनके संकल्प को प्रतिबिम्बित करता है। श्री कुशवाहा ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों, नर्सों एवं पैरामेडिकल कर्मियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य मंत्री द्वारा दिए गए स्पष्ट निर्देश



तथा सभी सरकारी अस्पतालों को सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जोड़ने का निर्णय स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है।

इसके साथ ही सभी सरकारी अस्पतालों में गुणवत्तापूर्ण दवाओं एवं स्वास्थ्य उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए

आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, जिससे आम मरीजों को उपचार के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

प्रदेश अध्यक्ष ने आगे कहा कि स्वास्थ्य मंत्री निशांत नियमित रूप से विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठकें कर योजनाओं एवं व्यवस्थाओं की सतत निगरानी कर रहे हैं। उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था को अधिक जवाबदेह और जेनोमुखी बनाना तथा स्वस्थ एवं सुखी बिहार के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करना है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री के नेतृत्व में चले रहे सुधारात्मक प्रयासों से आने वाले समय में बिहार का स्वास्थ्य क्षेत्र नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा तथा आम जनता को पहले से अधिक सुलभ, गुणवत्तापूर्ण और विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा।

- नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में बिहार की सक्रिय सहभागिता
- ग्रामीण विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर हुई चर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना।16वें वित्त आयोग की अनुशंसाओं पर विचार-विमर्श के लिए शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में पंचायती राज संस्थाओं के सुहृद्दीकरण एवं ग्रामीण स्थानीय निकायों से जुड़े विषयों पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसकी

कार्यशाला में 16वें वित्त आयोग की अनुशंसाओं, ग्रामीण स्थानीय निकायों को प्राप्त होने वाले अनुदानों के प्रभावी उपयोग, वित्तीय पारदर्शिता, संसाधनों के बेहतर प्रबंधन, पंचायती राज संस्थाओं की संस्थागत क्षमता, समयबद्ध व्यय, अनुपालन आवश्यकताओं तथा ग्रामीण विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही पंचायतों की वित्तीय स्थिरता को मजबूत करने, स्वयं का स्रोत राजस्व को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण स्थानीय निकायों को विकास और सुशासन का प्रभावी माध्यम बनाने पर विशेष बल दिया गया। कार्यशाला को विकसित भारत @ 2047 की कल्पना के अनुरूप पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त, उत्तरदायी और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। आयोजित कार्यशाला में पंचायती राज विभाग के सचिव मनोज कुमार तथा अपर सचिव डॉ. आदित्य प्रकाश सहित विभिन्न राज्यों के पंचायती राज विभागों के माननीय मंत्रीगण, वरिष्ठ पदाधिकारीगण तथा पंचायती राज व्यवस्था से जुड़े प्रतिनिधि मौजूद रहे।

अध्यक्षता केंद्रीय पंचायती राज तथा मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने

पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त किया जाएगा: मंत्री- कार्यशाला में मौजूद रहे माननीय पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश ने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं को और अधिक सशक्त बनाने, संसाधनों के प्रभावी उपयोग तथा ग्रामीण विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई है। यह अनुभव और सुझाव बिहार में पंचायती राज व्यवस्था को और मजबूत बनाने में उपयोगी सिद्ध होंगे। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पंचायतों को विकास, पारदर्शिता और जनभागीदारी का सशक्त केंद्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। 16वें वित्त आयोग की अनुशंसाओं के आलोक में प्राप्त संसाधनों का प्रभावी, पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित कर पंचायतों, पंचायत समितियों और जिला परिषदों को और अधिक सक्षम बनाया जाएगा। इससे

ग्रामीण आधारभूत संरचना, जनसेवाओं की उपलब्धता तथा स्थानीय स्तर पर विकास योजनाओं के क्रियान्वयन को नई गति मिलेगी।

अनुदानों का उपयोग पारदर्शी तरीके से हो: मंत्री ने कहा कि पंचायती राज संस्थाएं भी प्रत्येक घर से साफ सफाई, पानी, होर्डिंग आदि टैक्स वसूलने का फैसला लिया है। सरकार ने मसौदा तैयार कर लिया है और कैबिनेट की मंजूरी मिलते ही टैक्स की वसूली शुरू हो जाएगी। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ग्रामीण क्षेत्रों में टैक्स वसूली से संबंधित फैसले का विरोध करती है और बिहार की आम जनता से सरकार की जन विरोधी फैसले का विरोध करने का आह्वान करती है।



संक्षिप्त खबरें

70 किसानों के बीच बोनस वितरण

विभूतिपुर/समस्तीपुर। सुरौली में एकल दुग्ध उत्पादक सहयोग समिति लिमिटेड का द्वितीय बोनस वितरण समारोह आयोजित कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राम कुमार सिंह व मंच संचालन प्रभू नारायण झा ने किया।समारोह में मुख्य रूप से मिथिला दुग्ध संघ के अध्यक्ष उमेश राय और प्रखंड प्रमुख सुनीता देवी शामिल हुई। उनके साथ दुग्ध शीतक केन्द्र रोसड़ा के प्रबंधक डॉ. राजेश कुमार सिंहा, निदेशक मंडल सदस्य ब्रह्मदेव महतो, पर्यवेक्षक हरेराम यादव एवं विपणन प्रभारी अशोक कुमार उपस्थित हुए। वक्ताओं ने किसानों की मेहनत की सराहना करते हुए दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में और बेहतर करने के लिए प्रेरित किया।वहीं 70 किसानों के बीच 1 लाख 85 हजार 4 सौ 75 रुपए 70 पैसे की बोनस राशि का वितरण किया गया।

जयनगर में शुरू हुआ पतंगजलि मेगा स्टोर, मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने किया उद्घाटन

मधुबनी। जयनगर शहर के कमला राट स्थित पतंगजलि मेगा स्टोर का शुक्रवार को बिहार सरकार के श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण, युवा, रोजगार एवं कौशल विकास मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष कैलाश पासवान, जयनगर थाना अध्यक्ष रमन कुमार समेत कई जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह में संबोधित करते हुए मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने कहा कि पतंगजलि मेगा स्टोर के शुरू होने से जयनगर और आसपास के लोगों को स्वदेशी, आयुर्वेदिक एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पाद स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रतिष्ठान लोगों को बेहतर सुविधाएं देने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ाते हैं। स्टोर के संचालक बरिंद्र प्रसाद गुप्ता ने बताया कि यह मधुबनी जिले का पहला पतंगजलि मेगा स्टोर है। यहां पतंगजलि के खाद्य पदार्थ, अद्य वैज्ञानिक दवाएं, स्वास्थ्य एवं सौंदर्य उत्पाद सहित दैनिक उपयोग की सभी आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक रविवार को स्टोर परिसर में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर भी लगाया जाएगा, जहां विशेषज्ञ चिकित्सक लोगों को स्वास्थ्य संबंधी सलाह देंगे। उद्घाटन के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिको ने स्टोर का अवलोकन किया और जयनगर में इस नई सुविधा की शुरूआत पर खुशी जताई। लोगों का कहना था कि अब उन्हें पतंगजलि के उत्पादों की खरीदारी के लिए दूसरे शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

तत्कर अंधेरे का लाम उठाकर फराट जल सामान एलसीएस जयनगर को सौंपा गया

मधुबनी। भारत-नेपाल सीमा पर तत्कारी और अवैध सीमा पार व्यापार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत 48वें वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) जयनगर में बड़ी सफलता मिली है। एसएसबी की गश्ती टीम ने देवधा सीमा क्षेत्र से नेपाल ले जाए जा रहे करीब 36,430 मूल्य के विभिन्न प्रकार के कस्टम सामान को जब्त किया। हालांकि घेराबंदी के दौरान तत्कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।जानकारी के अनुसार, दिनांक 1 जुलाई की रात बाढ़ा सीमा चौकी देवधा के हजोह्न समवाय की एसएसबी टीम सीमा क्षेत्र में गश्त एवं नाका ड्यूटी पर तैनात थी। रात करीब 11:20 बजे सीमा स्तंभ संख्या 274/1 से लगभग 1.3 किलोमीटर भारतीय क्षेत्र में कुछ लोग सिर पर सामान लेकर नेपाल की ओर जाते दिखाई दिए। जवानों ने घेराबंदी की, लेकिन तत्कर सामान छोड़कर देवधा गांव की ओर भाग निकले। तलाशी के दौरान 45 जोड़ी क्रॉक्स चप्पल, 59 जोड़ी ब्लैक स्लिपर, 113 साड़ियां, हैंडपंप वॉशर के 283 नग, 190 पेंटिंग ब्रश, 55 एरोसोल रेंटॉस ब्लैक स्प्र, 25 ब्रिटिश पेंट्स रॉल ऑक्सिडाइड प्राइमर तथा 48 लेदर वॉशर समेत विभिन्न प्रकार का कस्टम सामान बरामद किया गया। एसएसबी ने जानू सामान को आवश्यक नकूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद अग्रिम कार्रवाई के लिए लैंड कस्टम स्टेशन (एलसीएस), जयनगर को सौंप दिया है।48वें वाहिनी के कमांडेंट ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा पर तत्करी और अवैध व्यापार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। सीमा पर तैनात जवान पूरी सतर्कता के साथ निगरानी कर रहे हैं और भविष्य में भी तत्करी के हर प्रयास को विफल करने के लिए कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

शिक्षा के बिना समाज व देश का विकास संभव नहीं : उपमुख्यमंत्री

● उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने बेनीपुर विधानसभा क्षेत्र में निर्मित पंडित हरिनाथ मिश्र सभागार का किया लोकार्पण

प्रातः किरण संवाददाता

बेनीपुर(दरभंगा)। बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज, राज्य और देश के सर्वांगीण विकास की सबसे मजबूत आधारशिला है। उन्होंने कहा कि शिक्षित समाज ही विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है। वे शुक्रवार को बेनीपुर विधानसभा क्षेत्र के देवकुली स्थित द्व्येश्वर नाथ महाविद्यालय परिसर में विधायक ऐच्छिक कोष से निर्मित पंडित हरिनाथ मिश्र सभागार के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उपमुख्यमंत्री ने बिहार विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष एवं बेनीपुर के पूर्व विधायक स्वर्गीय पंडित हरिनाथ मिश्र तथा बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय पंडित विनोदानंद झा को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि बेनीपुर की धरती महान विभूतियों की कर्मभूमि रही है। यहां से ऐसे जनप्रतिनिधि हुए, जिन्होंने अपनी सादगी, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और



व्यवहार-कुशलता से राजनीति में आदर्श स्थापित किए। उन्होंने मिथिला की समृद्ध संस्कृति और परंपरा की सराहना करते हुए कहा कि यह क्षेत्र देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है, जिस पर सभी मिथिलावासियों को गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भले ही आज समस्तीपुर और मधुबनी अलग जिले हों, लेकिन उनका जन्म एकीकृत दरभंगा जिले में हुआ था। इसलिए मिथिला से उनका विशेष भावनात्मक जुड़ाव है। उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज को जोड़ने का सबसे प्रभावी माध्यम है और समाज के दुख-दर्द को समझने तथा उसके समाधान के लिए शिक्षा ही का आवश्यक है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने स्थानीय बेनीपुर विधायक विनय

कुलपति ने की विभागाध्यक्षों के साथ बैठक, पाठ्यक्रमों पर हुई विशेष चर्चा



प्रातः किरण संवाददाता

दरभंगा। कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो लक्ष्मीनिवास पांडेय ने आजकोत्तर विभाग के अध्यक्षों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के आलोक में तैयार चार वर्षीय शास्त्री पाठ्यक्रम पर विशेष फोकस रहा। इसी क्रम में कुलपति प्रो लक्ष्मीनिवास पांडेय ने कहा कि नए सत्र की शुरूआत होने जा रही है।

रजभवन के दिशा निर्देश के अनुसार सभी शैक्षणिक कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से ससमय सम्पादित करना है। महाविद्यालयों में भी वर्ग संचालन व अन्य गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाना है। इसके लिए हमलोगों को सतत प्रयास करते रहना है। उक्त जानकारी देते हुए पीआरओ डॉ निशिकांत ने बताया कि विभागाध्यक्षों ने भी कुछ बुनियादी सवालों को उठाया जिसे कुलपति ने वहीं हल कर दिया। विभागाध्यक्षों में प्रो दिलीप कुमार झा, डॉ सीताचरण झा, डॉ रामनिहोरा राय, डॉ ध्रुव कुमार मिश्र, डॉ धीरज पांडेय, डॉ संतोष पासवान के अलावा कुलसचिव डॉ दिनेश कुमार झा, एकओ डॉ पवन कुमार झा समेत ओएसडी शैक्षणिक डॉ रामसेवक झा बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का लें संकल्प : मंत्री सतीश चंद्र दुबे

दरभंगा। भारतीय जनता पार्टी, दरभंगा जिला पूर्वी की ओर से शनिवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 125वें जन्म पर्व एवं जिला कार्यकर्ता सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दुबे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला पूर्वी के जिलाध्यक्ष विनय कुमार पासवान ने की, जबकि मंच संचालन जिला महामंत्री संजय कुमार सिंह उर्फ पप्पू ने किया। इस अवसर पर विधायक मैथिली ठाकुर, विधायक सुजीत सिंह, जिला महामंत्री शत्रुघ्न सहनी सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि सतीश चंद्र दुबे ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने

राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। उनका जीवन प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे डॉ. मुखर्जी के विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लें। जिलाध्यक्ष विनय कुमार पासवान ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों को समाज के बीच पहुंचाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है और कार्यकर्ताओं के समर्पण के बल पर पार्टी लगातार आगे बढ़ रही है। विधायक मैथिली ठाकुर ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का राष्ट्र प्रथम का विचार आज भी पूरी तरह प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि उनके आदर्शों को आत्मसात कर समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका

गैस संकट की आशंका पर विराम, प्रशासन की निगरानी में निर्बाध आपूर्ति



● मधुबनी में गैस-पेट्रोल का पर्याप्त भंडार, कालाबाजारी पर प्रशासन की कड़ी नजर

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। जिले में एलपीजी गैस एवं पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता पूरी तरह सामान्य और नियंत्रित है। जिला प्रशासन द्वारा गैस वितरण व्यवस्था की लगातार निगरानी की जा रही है ताकि सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध हो सके। जिला जनसंपर्क कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञापि के अनुसार, 2 जुलाई को जिले में 13,899 एलपीजी उपभोक्ताओं ने गैस सिलेंडर की बुकिंग कराई। वहीं विभिन्न तेल कंपनियों से कुल 14,491 गैस सिलेंडर प्राप्त हुए, जिनमें आईओसीएल के 8,699, एचपीसीएल के 2,798 तथा बीपीसीएल के 3,027 सिलेंडर शामिल हैं। प्रशासन ने बताया कि बुकिंग के अनुरूप तेजी से गैस सिलेंडरों की आपूर्ति की जा रही है। जिला प्रशासन ने सभी गैस एजेंसियों को शत-प्रतिशत होम डिलीवरी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। साथ

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

कुमार चौधरी की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे सादगी, ईमानदारी और शिक्षा के प्रति समर्पण के प्रतीक हैं। विधानसभा और सरकार के स्तर पर शिक्षा से जुड़े मुद्दों को गंभीरता से उठाने वाले जनप्रतिनिधियों में उनका नाम प्रमुखता से लिया जाता है। उन्होंने जितेंद्र नारायण राय के प्रति भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके आग्रह पर ही सभागार का लोकार्पण संभव हो सका। उपमुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में शिक्षा, महिला सशक्तीकरण, विधि-व्यवस्था और विकास के क्षेत्र में हुए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि पंचायत स्तर से विश्वविद्यालय तक शिक्षा का व्यापक विस्तार हुआ है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के उत्थान के लिए

बिहार में किए गए कार्यों की देशभर में सराहना हुई है। साथ ही उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की कार्यशैली के कारण बिहार विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दरभंगा ग्रामीण के विधायक राजेश कुमार उर्फ ईश्वर मंडल ने उपमुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए उन्हें कुशल संगठनकर्ता बताया और क्षेत्र के विकास में उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। वहीं विधायक विनय कुमार चौधरी ने उपमुख्यमंत्री को अपना अभिभावक बताते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन से क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिली है। उन्होंने बेनीपुर और बिरौल अनुमंडल के किसानों के हित में महत्वपूर्ण योजनाओं की स्वीकृति देने के लिए भी उनका धन्यवाद दिया। कार्यक्रम को संबोधित करने वालों में हरे राम राय गोल्डू जी, पंचायत के मुखिया अभिषेक मिश्रा, चंद्रशेखर राय, राजनकर मुखिया, अशोक राय, कौशल राय, जदयू के जिला अध्यक्ष रामशंकर सिंह, प्रो अवन कुमार राय, विधानसभा संयोजक पिंटू झा सहित अन्य लोग शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के शिक्षक राकेश रोशन ने किया।

पशु शल्य चिकित्सक डॉ सिंह को विदाई, याद किया जाएगा उनका कार्यकाल

प्रातः किरण संवाददाता



की। उल्लेखनीय है कि डॉ सिंह के नेतृत्व में अस्पताल के साथ साथ क्षेत्रों में भी यादगार शिविर आयोजित कर पशुओं का किया गया इलाज आज भी हर किसी के जुबान पर है। कार्यक्रम में डॉ सिंह के कार्यकाल को स्वर्णिम काल की संज्ञा दी। सभी ने उनके द्वारा लहेरियासराय पशु चिकित्सालय की व्यवस्था में किये गए ऐतिहासिक बदलाव की प्रशंसा की और उनके स्वस्थ उज्ज्वल भविष्य की कामना

जनता दरबार में 50 से अधिक मामलों को डीएम ने शीघ्र कार्रवाई करने के दिए निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

दरभंगा। जिलाधिकारी कौशल कुमार की अध्यक्षता में कार्यालय कक्ष में जनता के दरबार आयोजित। जिलाधिकारी ने परिवादी की समस्याओं को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं धैर्य के साथ सुना तथा कई मामलों का मौके पर ही त्वरित निष्पादन किये। आज के जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से 49 से अधिक परिवादी उपस्थित हुए जिनमें 40 ऑनलाइन एवं 09 ऑफलाइन शामिल हैं।जिलाधिकारी ने कई मामलों का तत्काल समाधान किया, जबकि शेष आवेदनों को संबंधित विभागीय एवंपारदर्शी समाधान करना है। आज के जनता दरबार में राजस्व विभाग एवं अन्य विभाग से संबंधित पारिवारिक उपस्थित हुए थे।उन्होंने सभी विभागीय पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता से जुड़ी शिकायतों के निष्पादन में संवेदनशीलता बरतें तथा त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि प्राप्त सभी शिकायतों पर निष्पक्ष



लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समाधान के उपरांत परिवादियों को मोबाइल के माध्यम से भी सूचित करेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध, प्रभावी एवं पारदर्शी समाधान करना है। आज के जनता दरबार में राजस्व विभाग एवं अन्य विभाग से संबंधित पारिवारिक उपस्थित हुए थे।उन्होंने सभी विभागीय पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता से जुड़ी शिकायतों के निष्पादन में संवेदनशीलता बरतें तथा त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि प्राप्त सभी शिकायतों पर निष्पक्ष

अलग-अलग घरों से नगद व लाखों की चोरी

प्रातः किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। थाना क्षेत्र में गुरुवार को रात्रि अज्ञात चोरों ने अलग-अलग जगहों व अलग-अलग घरों में चोरी की घटना का अंजाम देकर फरार हो गया एक और जहां पतैलिया वार्ड 04 निवासी सियाराम सहनी का पुत्र राम कुमार सहनी घर में चोरी को लेकर थाना में आवेदन दिया है जिसमें बताया है कि 2 जुलाई की रात्रि अज्ञात चोरों द्वारा घर में घुसकर तीन मोबाइल, एक भरी सोना का ज्वेलरी, एक भरी चांदी का ज्वेलरी एवं 5000 नगद रुपया चोरी कर लिया गया। वहीं दूसरी ओर पतैलिया का ही स्वर्गीय शिवानंद सहनी की पत्नी अमेरिका देवी अज्ञात चोरों द्वारा घर से दो मोबाइल, दो भरी सोना का ज्वेलरी, 10 भरी चांदी का ज्वेलरी चोरी को लेकर थाना में आवेदन दी है।वहीं आलमपुर कोदरिया वार्ड 3 में चार चक्का वाहन से अज्ञात चोरों ने तीर्थ नंदन के घर में घुसकर कपड़ा,25 हजार रुपया नगद व ज्वेलरी चोरी कर लिया। मामले को लेकर पीड़ित ने बताया कि रात्रि में सोए हुए थे। चार चक्का वाहन की आवाज सुनकर उठे तो वाहन वहां से भाग गया। घर में बकसा में रखा कपड़ा, ज्वेलरी व नगद चोरों द्वारा चोरी कर ली गई। सुबह होकर मां काली चिमनी के निकट बकसा व कुछ कपड़ा फेंका हुआ मिला। वही आलमपुर कोदरिया वार्ड चार निवासी गांगो सहनी ने बताया कि गुरुवार की रात्री अज्ञात चार चक्का वाहन पर सवार चोरों ने एक खस्सी व एक बकरी चोरी कर फरार हो गया।

व्यापारियों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता, दरभंगा में विकसित होगा औद्योगिक क्षेत्र : मदन सहनी

प्रातः किरण संवाददाता

दरभंगा। डिविजनल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, दरभंगा की ओर से बिहार सरकार में दरभंगा जिले का प्रतिनिधित्व कर रहे मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन मंत्री मदन सहनी तथा वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री रामचंद्र प्रसाद के सम्मान में अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री मदन सहनी ने कहा कि व्यापारियों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। उन्होंने बताया कि बिहार सरकार 20 जिलों में करीब 45,741 एकड़ भूमि पर लगभग 30 हजार करोड़ रुपये की लागत से औद्योगिक क्षेत्र विकसित कर रही है। इसी योजना के तहत दरभंगा के बहादुरपुर प्रखंड में 385 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मद्य निषेध कानून को प्रभावी बनाने के



लिए पुलिस, आरपीएफ, एसएसबी, जीआरपी और एयरपोर्ट प्रशासन के साथ समन्वय कर कार्रवाई की जा रही है तथा चेकपोस्ट पर शराब बरामद होने पर संबंधित वाहन मालिक के विरुद्ध सख्त कार्रवाई होगी। वन मंत्री रामचंद्र प्रसाद ने कहा कि राज्य में इस वर्ष 2 करोड़ 95 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने लोगों से अपनी माता के नाम पर कम-से-कम एक पौधा लगाने और उसके संरक्षण का संकल्प

सेवा-संवाद-समाधान में डीएम ने सुनी 112 लोगों की समस्याएं



प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। समाहरणालय में आयोजित सहयोग शिविर आयोजित होता है, सेवा-संवाद-समाधान कार्यक्रम के तहत जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने आमजनो की समस्याएं सुनी कार्यक्रम

मधुबनी के तीन खिलाड़ी राष्ट्रीय पेंचक सिलट प्रतियोगिता के लिए चयनित

मधुबनी। राज्य पेंचक सिलट चैंपियनशिप ट्रायल में शानदार प्रदर्शन करते हुए मधुबनी के तीन खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान पक्का किया है। इस उपलब्धि पर जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने शुक्रवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।गोल्डन कराटे अकादमी के खिलाड़ी हिमांशु कुमार यादव, सुहासनी एवं अभिजीत कुमार झा ने अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित होने का गौरव हासिल किया। जिलाधिकारी ने कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का ही परिणाम है कि वे राष्ट्रीय स्तर पर मधुबनी और बिहार का नाम रोशन कर रहे हैं।जानकारी के अनुसार, हिमांशु कुमार यादव और सुहासनी का चयन 14वीं जूनियर राष्ट्रीय पेंचक सिलट चैंपियनशिप के लिए हुआ था, जिसका आयोजन 25 से 28 जून तक नासिक (महाराष्ट्र) में हुआ। इस प्रतियोगिता में हिमांशु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर जिले और राज्य का गौरव बढ़ाया, जबकि सुहासनी ने भी सराहनीय प्रदर्शन किया, लेकिन कुछ मुकाबले में क्वालिफिकेशन राउंड से आगे नहीं बढ़ सकी।वहींअभिजीत कुमार झा का चयन सीनियर राष्ट्रीय पेंचक सिलट चैंपियनशिप-2026 के लिए हुआ है, जिसका आयोजन 6 से 8 जुलाई तक शिलांग (मेघालय) में होगा।



मुजफ्फरपुर

श्रावणी मेला की तैयारियों में जुटा जिला प्रशासन, श्रद्धालुओं को मिलेगी हर आवश्यक सुविधा :जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।श्रावणी मेला के सफल, सुरक्षित एवं सुचारु आयोजन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी कुमार गौरव एवं वरीय पुलिस अधीक्षक कतिेश मिश्रा ने समाहरणालय सभागार में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक कर



एवं दर्शन के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं को सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम आवागमन जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए सभी व्यवस्था समय पर पूरी करने का निर्देश दिया जिलााधिकारी ने मंदिर परिसर एवं संपूर्ण मेला क्षेत्र में भीड़ प्रबंधन की सुदृढ़ व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने पर्याप्त संख्या में बैरिकेडिंग, प्रवेश एवं निकास मार्गों का सुव्यवस्थित निर्धारण तथा श्रद्धालुओं के निर्बाध आवागमन की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। साथ

ही पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने तथा भीड़ नियंत्रण के लिए पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने को कहा। यातायात व्यवस्था की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने श्रद्धालुओं तथा आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए व्यापक ट्रैफिक प्लान लागू करने का निर्देश दिया। उन्होंने पाकिंग स्थलों का समुचित चयन, वाहनों की सुव्यवस्थित पाकिंग तथा आवश्यकतानुसार डायवजन योजना प्रभावी ढंग से लागू करने को कहा।

इसके साथ ही श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन देने के लिए प्रमुख स्थलों पर सूचना एवं दिशा-निर्देश संबंधी संकेतक लगाने का भी निर्देश दिया जिलाधिकारी ने नियंत्रण कक्ष को पूरी अवधि के दौरान सक्रिय रखने तथा सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति से त्वरित रूप से निपटने के लिए नियंत्रण कक्ष चौबीसों घंटे कार्यरत रहे तथा आवश्यक संसाधन एवं कर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने मेला क्षेत्र एवं श्रद्धालुओं के विश्राम करने को कहा। यातायात व्यवस्था के प साफ-सफाई एवं नियमित कचरा निष्पादन की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में जिलाधिकारी ने श्रावणी मेला के दौरान जनस्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर भी विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने अस्पतालों एवं स्थलों पर पर्याप्त संख्या में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को पूरी सक्रियता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करने तथा मरीजों को नियमित रूप से दवाएं उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि श्रावणी मेला के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

शादी के एक महीने बाद बहू नकदी और गहने लेकर हुई फरार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के साहेबगंज थाना क्षेत्र से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। शादी के महज एक महीने बाद एक नवविवाहिता घर से करीब पांच लाख रुपये के गहने और दो लाख रुपये नकद लेकर फरार हो गई। आरोप है कि उसका पूर्व परिचित पहले से ही चारपहिया वाहन लेकर घर के पास मौजूद था और बहू सामान लेकर सीधे उसी गाड़ी में बैठकर चली गई। इस मामले में जीता छपरा गांव निवासी पासपति देवी ने 29 जून को साहेबगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बहू घर में रखे कीमती गहने और नकदी लेकर फरार हो गई। एफआईआर दर्ज होने के बाद साहेबगंज थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और फरार महिला की तलाश की जा रही है। पुलिस का प्रारंभिक कहना है कि मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। हालांकि, जांच पूरी होने के बाद ही पूरे घटनाक्रम की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

आरडीएस कॉलेज में भारतीय ज्ञान परंपरा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।भारतीय शिक्षा दिवस के अवसर पर राम दयालु सिंह कॉलेज के श्रीकृष्ण सभागार में ह्यभारतीय ज्ञान परंपरा : शिक्षा, संस्कृति एवं समकालीन परिप्रेक्ष्यह विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज की आईक्यूएसी एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, उरर बिहार प्रांत के संयुक्त तत्व्यवाधान में हुआ। संगोष्ठी में शिक्षा, संस्कृति, भारतीय ज्ञान परंपरा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए।कार्यक्रम के मुख्य अरक्षक के रूप में उपस्थित बी.एस.ए. बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) दिनेश चंद्र राय ने भारतीय शिक्षा

दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि व्यक्ति का समग्र विकास और चरित्र निर्माण है। उन्होंने कहा कि विज्ञान और तकनीक में प्रगति के साथ भारतीय संस्कृति, मूल्यों और अनुशासन को भी समान महत्व देना आवश्यक है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के निर्माण में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के योगदान की भी सराहना की।मुख्य वक्ता के रूप में त्रिपुरा केद्रीय विश्वविद्यालय, अगरतलत्वा के साहित्य संकाय के अधिाक्षता एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय भाषा मंच के सह-संयोजक प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार मिश्र ने कहा कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था को उसकी मूल पहचान लौटाने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक शिक्षा व्यवस्था ने भारतीय ज्ञान परंपरा को कमजोर किया, जबकि बिहार नालंदा और क्रक्रमशिला जैसे विश्वविख्यात ज्ञान केंद्रों की भूमि रहा है। उन्होंने युवाओं से अपनी मातृभाषा, मातृभूमि और भारतीय चिंतन परंपरा से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि मां, मातृभाषा और मातृभूमि का कोई विकल्प नहीं है।विशिष्ट वक्ता के रूप में विश्वविद्यालय के महाविद्यालय निरीक्षक प्रो. (डॉ.) राजीव कुमार ने कहा कि भारतीय संस्कृति को सबसे बड़ी विजिप्ता समन्वय की भावना है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा शास्त्र और लोक दोनों के संतुलन पर आधारित है तथा यक्ष-युधिष्ठिर संवाद का उदाहरण देते हुए सत्यंक्ष्रवण और वास्तविक बोध को सच्चा

कॉलेज में परीक्षा देने गई इंटर की छात्रा लापता

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।गरहां थाना क्षेत्र के एक गांव से इंटर की छात्रा परीक्षा देने गई 16 वर्षीय छात्रा के सदिग्ध परिस्थलों में लापता होने का मामला सामने आया है। गुरुवार सुबह कॉलेज के लिए निकली छात्रा जब देर रात तक वापस नहीं लौटी, तो परिजनों ने हड़कंप मच गया। रिश्तेदारों और संभावित ठिकानों पर काफी खोजबीन करने के बाद भी जब उसका सुराग नहीं मिला, तो शुक्रवार को किशोरी के पिता ने गरहां थाने में लिखित शिकायत की है। पिता ने किसी अनहोनी की आशंका जताते हुए अज्ञात के खिलाफ अपहरण का

मामला का शिकायत की है। पुलिस आवेदन के आधार पर मामले की छात्राबीन में जुट गई है। थाने में दिए आवेदन में पीड़ित पिता ने बताया कि उनकी 16 वर्षीय बेटी इंटर की छात्रा है। इन दिनों कॉलेज में परीक्षा चल रही है। गुरुवार सुबह वह नियत समय पर परीक्षा देने के लिए घर से कॉलेज की ओर बात कहकर निकली थी। दोपहर बाद जब परीक्षा का समय बीत जाने के कई घंटों बाद भी वह घर नहीं पहुंची, तो परिजनों को चिंता हुई। मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास भी विफल रहा। थाना अध्यक्ष सेंट्रु कुमार ने बताया कि मामले परिजनों की शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

अपहृत किशोरी सकुशल हरामद

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के बोचहां थाना क्षेत्र से अपहृत 17 वर्षीय किशोरी को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 36 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने किशोरी को एनएच-27 स्थित मम्परखा चौक के समीप से बरामद किया है। जानकारी के अनुसार, परिजनों की शिकायत पर बोचहां थाना में मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने विशेष टीम गठित कर लगातार छापेमारी और तकनीकी जांच शुरू की। इसी अभियान के दौरान किशोरी को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। फिलहाल पुलिस किशोरी से पूरे घटनाक्रम के संबंध में पूछताछ कर रही है। साथ ही इस मामले में शामिल संभावित आरोपियों की भूमिका की भी गहन जांच की जा रही है। पुलिस की प्रक्रिया के तहत किशोरी को न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा, जहां उसका बयान दर्ज कराया जाएगा। इसके बाद न्यायालय के निर्देशानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

मॉडल अस्पताल में शुरू हुई कोल्पोस्कोपी जांच सुविधा सर्वाइकल कैंसर की समय पर होगी पहचान

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले की महिलाओं के लिए राहत भरी खबर है। अब मॉडल अस्पताल, मुजफ्फरपुर में सर्वाइकल कैंसर को जांच के लिए अत्याधुनिक कोल्पोस्कोपी मशीन उपलब्ध हो गई है। इस सुविधा के शुरू होने से महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर का शुरूआती अवस्था में पहचान और समय पर उपचार संभव हो सकेगा। जिला एनसीडीओ डॉ. नवीन कुमार ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसरों में से एक है, लेकिन नियमित

जांच और समय पर स्क्रीनिंग के जरिए इसे काफी हद तक रोका जा सकता है। उन्होंने 30 वर्ष या उससे अधिक आयु की सभी महिलाओं से नियमित सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग कराने की अपील की। उन्होंने बताया कि होमी भाषा कैंसर अस्पताल की विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. आकांक्षा और डॉ. अवंतिता मॉडल अस्पताल में कोल्पोस्कोपी-गाइडेड बायोप्सी कर रही हैं। इस जांच के माध्यम से सदिग्ध मामलों का सटीक मूल्यांकन किया जा रहा है। डॉ. नवीन कुमार ने कहा कि यदि किसी महिला को लंबे समय तक सफेद पानी आना,

निचले पेट में लगातार दर्द रहना या संबंध बनाने के बाद रक्तस्राव जैसी समस्याएं हों, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और तुरंत अस्पताल पहुंचकर जांच करानी चाहिए। उन्होंने बताया कि सदर अस्पताल, मुजफ्फरपुर में अब कोल्पोस्कोपी की आधुनिक सुविधा उपलब्ध होने से सर्वाइकल कैंसर के सदिग्ध मामलों की विस्तृत जांच और समय पर उपचार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। यह सुविधा महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण और कैंसर की रोकथाम में अहम भूमिका निभाएगी।

ओप्पो इंडिया ने एआई फीचर्स और 50 मेगापिक्सल पोर्ट्रेट कैमरे के साथ रेनो 16 सीरीज लॉन्च की

दरभंगा। ओप्पो इंडिया ने अपनी नई रेनो 16 सीरीज लॉन्च की है। इस सीरीज में रेनो 16 और रेनो 16सी स्मार्टफोन पेश किए गए हैं। दोनों स्मार्टफोन में 50 मेगापिक्सल एआई पोर्ट्रेट कैमरा, 3.5 एक्स टेलीफोटो लेंस, ऑल-फोकल-लेंथ 4के 60एफपीएस एचडीआर वीडियो रिकॉर्डिंग और भारत का पहला होलोबर्ब 3डी डिजाइन दिया गया है। रेनो 16 सीरीज में नई ए.आई एंड्रॉइंटिंग टूलकिट, ए.आई रीमिक्स कोलाज, पॉप कैम, पॉपआउट 2.0 और पहली बार ए.आई स्नैप की दी गई है, जिससे एआई माईड स्मैस, कैमरा, ट्रांसलेटर और रिकॉर्डर जैसे टूल्स तक तुरंत पहुंच मिलती है। यह सीरीज लेटेस्ट कलरओएस 16 पर आधारित है। कंपनी ने रेनो 16 सीरीज के साथ अपना पहला स्मार्ट कैमरा कंपैनियन ओप्पो बबल और ओप्पो एन्को एयर 5 इयरबड्स भी लॉन्च किए हैं। एन्को एयर 5 में 52 डेसिबल एक्टिव नॉइज कैंसलेशन और 54 घंटे तक की बैटरी लाइफ दी गई है।

हायर ने लांच की एआई–संचालित एचक्यूएलईडी पी7 प्रो सीरीज

प्रात : किरण संवाददाता

दुर्गापुर। अपने होम एंटरटेनमेंट सिस्टम को अपग्रेड करने की चाह रखने वाले उपभोक्ताओं के लिए एक नया विकल्प आ गया है। हायर एलार्गसेज इंडिया ने अपनी एचक्यूएलईडी पी7 प्रो सीरीज लांच की है। यह एक स्मार्ट टेलीविजन रेंज है, जो एआई-संचालित फीचर्स, प्रीमियम साउंड और उन्नत डिस्प्ले तकनीक को जोड़ती है। 43, 50, 55, 65 और 75 इंच स्क्रीन आकारों में उपलब्ध यह नई लाइनअप 35,990 से 90,990 रुपये के बीच की कीमत पर तीन साल की वारंटी

के साथ भारत भर के प्रमुख खुदरा स्टोरों के माध्यम से बिक्री के लिए उपलब्ध है। पी7 प्रो सीरीज जैमिनी के साथ गूगल टीवी द्वारा संचालित है, जो व्यक्तिगत कंटेंट सिफारिशों, हैंड्स-फ्री वॉयस कंट्रोल, एआई-असिस्टेड सर्च और स्मार्ट होम इंटीग्रेशन की सुविधा प्रदान करती है। जीबी रैम और 32 जीबी रॉम से लैस ये टेलीविजन स्मर्थ ऐप परफॉर्मेंस, तेज नेविगेशन और मनोरंजन अनुप्रयोगों के लिए पर्याप्त स्टोरेज देने के लिए डिजाइन किए गए हैं। इस लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए हायर एलार्गसेज इंडिया के सीईओ एनएस सतीश ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य

उपभोक्ताओं की बदलती प्राथमिकताओं के अनुरूप शानदार व्यूइंग एक्सपीरियंस और कनेक्टेड-होम इनीवेशन प्रदान करके भारतीय उपभोक्ताओं के लिए प्रीमियम, एआई-सक्षम मनोरंजन को अधिक सुलभ बनाना है। बता दें बेहतरीन व्यूइंग एक्सपीरियंस के लिए इन टेलीविजन 93 प्रतिशत तक डीसीआई-पी3 कलर गैट, डॉल्बी विजन, एचडीआर10 एलस और एआई पिक्चर क्वालिटी तकनीकों के साथ एचक्यूएलईडी डिस्प्ले तकनीक दी गई है, जिसमें एआई एक्सीडोर एहॉन्सर, एआई कलर बूस्ट, एआई मोशन और एआई नॉइज रिडक्शन शामिल हैं।

उत्तर बिहार में अगले 5 से 7 जुलाई के बीच वज्रपात और तेज हवा की चेतावनी

मुजफ्फरपुर। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के ग्रामीण कृषि मौसम सेवा केंद्र ने 4 से 8 जुलाई 2026 तक का मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान जारी किया है। पूर्वानुमान के अनुसार उत्तर बिहार के अधिकांश जिलों में इस अवधि में मौसम सामान्यतः शुष्क रहेगा। हालांकि 5 से 7 जुलाई के बीच कुछ स्थानों पर गरज-चमक, वज्रपात, तेज हवा तथा हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इस दौरान अधिकतम तापमान 35 से 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। हवा पूर्व दिशा से 8 से 12 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती है। आसमान आंशिक रूप से बादलों से ढका रहेगा। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी है कि हाल की वर्षा का लाभ उठाते हुए 10 से 15 जुलाई तक धान की अगात किस्मों की बुआई करें। बुआई से पहले बीजों का उपचार करने और नर्सरी में समय पर निराई-गुड़ाई करने की भी सलाह दी गई है। जिन क्षेत्रों में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है, वहां मध्यम अवधि वाली धान की किस्मों की रोपाईं की जा सकती है। वहीं जहां पर्याप्त वर्षा नहीं हुई है, वहां ऊंची भूमि पर तिल, मक्का, रागी, कौनी और अरहर जैसी वैकल्पिक खरीफ फसलों की बुआई करने की सलाह दी गई है। इसके अलावा किसानों को खरीफ प्याज की नर्सरी तैयार करने, केले की वैज्ञानिक तरीके से खेती करने तथा पशुपालकों को गलघोंटा, लंगड़ा बुखार और खुरपका-मुंहपका जैसी बीमारियों से बचाव के लिए समय पर पशुओं का टीकाकरण कराने की सलाह दी गई है। कृषि मौसम वैज्ञानिकों ने किसानों से अपील की है कि वे मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए कृषि कार्य करें तथा गरज-चमक और वज्रपात के दौरान खेतों में काम करने से बचें।

सरकारी जमीन पर जेसीबी से अवैध खनन, पुलिस को देख भागे माफिया

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। हथौड़ी थाना क्षेत्र के बेरई पोखर हाईस्कूल लड़के स्थित सरकारी जमीन पर इन दिनों खनन माफियाओं द्वारा धड़ल्ले से अवैध खनन किया जा रहा है। खनन विभाग की शिथिलता और कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने के कारण माफियाओं के हाौसे इस कदर बुलंद हैं कि वे दिन-दहाड़े सरकारी संपत्ति को छलनी कर रहे

हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मार्ग पर रोजाना कई जेसीबी और ट्रैक्टरों को अवैध रूप से मिट्टी और बालू को खनन में लगाया जा रहा है। शुक्रवार को ग्रामीणों की गुप्त सूचना पर हथौड़ी थाना पुलिस बल के साथ मौके पर छापेमारी करने पहुंची। लेकिन पुलिस के पहुंचने की भनक खनन माफियाओं को पहले ही लग गई। पुलिस के मौके पर पहुंचने से ठीक पहले ही माफिया अपनी जेसीबी और ट्रैक्टरों को

लेकर वहां से फरार होने में कामयाब रहे। पुलिस जब तक घटना स्थल पर पहुंची, वहां सन्नाटा पसर चुका था इस संबंध में हथौड़ी थाना प्रभारी ने बताया कि सरकारी जमीन पर अवैध खनन की शिकायत मिली थी, जिसके बाद तुरंत पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया था। हालांकि, पुलिस को देखकर आरोपी वाहन लेकर भाग निकले। पुलिस फरार माफियाओं और वाहनों की पहचान करने में जुटी है।

झूटी लूट की कहानी रचने और संपत्ति हड़पने की साजिश में एक गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। कांटी थाना क्षेत्र में बीते 25 जून को दर्ज लूट कांड की जांच में चौकाने वाला खुलासा हुआ है।

पुलिस ने दावा किया है कि कथित लूट की कहानी मिथ्या साक्ष्य गढ़कर रची गई थी। इस मामले में पुलिस की गुमराह करने, 50 हजार रुपये का प्रलोभन देकर संपत्ति हड़पने की साजिश रचने तथा झूठा मुकदमा दर्ज कराने के आरोप में एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है।पुलिस के अनुसार, 25 जून की रात कांटी थाना क्षेत्र में हुई कथित लूट की घटना को लेकर वादी मनीष कुमार के आवेदन पर कांटी थाना में

प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के अनुश्रवण तथा पश्चिमी-01 के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष जांच दल का गठन किया गया। टीम में कांटी थानाध्यक्ष और उनकी टीम की भी शामिल किया गया।

जांच के दौरान मानवीय एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने कांटी थाना क्षेत्र निवासी नितेश चौबे को झारखंड के देवघर से हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में नितेश ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि उसने अपने साले धर्मेरा कुमार को झूठे मुकदमे में फंसाकर जेल भिजवाने और

बाद में छुड़ाने के बहाने अपनी सास की जमीन हड़पने की योजना बनाई थी। पुलिस के मुताबिक, इसी साजिश के तहत उसने अपनी सास का मतदाता पहचान पत्र तथा दो पुराने कारतूस के खोखे अपने मित्र मनीष कुमार को देकर रास्ते में फिंकवा दिए और बाद में उन्हीं वस्तुओं के आधार पर लूट की प्राथमिकी दर्ज करा दी, ताकि झूठे मामले को वास्तविक साबित किया जा सके।

मामले के खुलासे के बाद पुलिस ने इस संबंध में एक अन्य प्राथमिकी दर्ज कर नितेश चौबे को गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से एक मतदाता पहचान पत्र और दो कारतूस के खोखे बरामद किए गए हैं।



अद्भुत वक्ता तथा हिन्दू धर्म के प्रबल समर्थक थे विवेकानंद

मुकेश तिवारी

स्वामी विवेकानंद हिन्दुस्तान की उन महान विभूतियाँ में से थे, जो सामाजिक अवनति के क्षणों में नव शक्ति और प्रेरणा देने के लिए समय-समय पर हिन्दुस्तान की धरा पर अवतरित होती रही है। उनके तेजस्वी व्यक्तित्व में पूर्व और पश्चिम, प्राचीन और अवाचीन ज्ञान और कर्म का अद्भुत समन्वय था। स्वामी जी आधुनिक मानव के एक आदर्श प्रतिनिधि होने के अतिरिक्त वैदिक धर्म एवं संस्कृति के समस्त स्वरूपों के उज्ज्वल प्रतीक थे। उन्होंने वेदान्त का प्रतिपादन इस तरह से किया कि वह वर्तमान युग के मनुष्य द्वारा हृदयंगम किया जा सके सिर्फ हिन्दुस्तान ही नहीं वरन् सम्पूर्ण विश्व तथा मानव के समस्त कार्यक्षेत्र में स्वामी विवेकानंद द्वारा प्रदत्त विचार, जो चिरंतन सत्य पर आधारित है, आज भी सम्पूर्ण मानव जाति के लिए उत्प्रेरक व उपयोगी है। स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कलकत्ता के एक कुलीन एवं सम्पन्न परिवार में हुआ था। पिता विश्वनाथ दत्त शहर के नामचीन वकील थे। माता धुवनेश्वरी देवी सुसंस्कृत, अभिजात एवं धार्मिक महिला थी। परिवार का वातावरण मुक्त और पवित्र था। विवेकानंद के बाल्यकाल का नाम नरेंद्रनाथ दत्त था। बचपन में ही विवेकानंद के पिता का निधन हो गया था। पिता के निधन के पश्चात परिवार का उत्तरदायित्व उन पर आ गया। लेकिन बिना विचलित हुए उन्होंने अपना सब कुछ देकर और स्वयं भूखे रहकर भी अतिथियों के सम्मान की परम्परा को निभाया। अलौकिक बौद्धिक प्रतिभा के धनी विवेकानंद सबके प्रेम व आदर के पात्र थे। 18 79 में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण कर कॉलेज में दाखिला लिया। अद्भुत मेधा एवं अद्वितीय वक्तृत्व शक्ति से उनके शिक्षक भी आश्चर्यचकित थे। कॉलेज के यूरोपीय अध्यापक ने तो उनके बारे में यहाँ तक कहा था, कि जर्मन और इंग्लैंड के सारे विश्वविद्यालयों में एक भी ऐसा छात्र नहीं है, जो विवेकानंद के समान मेधावी हो। शैक्षिक जीवन में ही नरेंद्र के मन पर पश्चिमी दर्शन का गहरा प्रभाव पड़ा। वह हर्बर्ट स्पेंसर तथा जान स्टुअर्ट मिल के विचारों से विशेष रूप से प्रभावित थे। फ्रांस की राज्य क्रांति द्वारा उद्घोषित स्वतंत्रता, समानता और बन्धुत्व के विचारों ने उन पर गहरा असर डाला था। विवेकानंद बचपन से ही अत्यंत जिज्ञासु थे। यदि एक बार उनके मन में किसी चीज के बारे में जिज्ञासा उत्पन्न हो गई तो वे उसे जानने की हर संभव कोशिश करते थे। विवेकानंद को मन में जिज्ञासा उत्पन्न हुई कि क्या हकीकत में ईश्वर है ? इस बात को जानने के लिए एक दिन वे राजा राम मोहन राय द्वारा स्थापित ब्रह्म समाज के केशव चन्द सेन एवं महर्षि देवेन्द्र ठाकुर के पास गए, लेकिन उनकी जिज्ञासा शान्त नहीं हुई। तो वो दक्षिणेश्वर के संत राम कृष्ण के पास चले गए राम कृष्ण तो जैसे उनकी ही प्रतीक्षा कर रहे थे। विवेकानंद और रामकृष्ण की मुलाकात पश्चिम प्राचीन और आधुनिक काल का, ब्रह्म एवं बुद्धि का मिलन था। विवेकानंद और राम कृष्ण में निकटता बढ़ती चली गई। त्करीबन 6 साल तक विवेकानंद ने गुरु के पास रहकर धर्म का तत्व ज्ञान प्राप्त किया। विवेकानंद को जब ज्ञान प्राप्त हो गया तब एक दिन राम कृष्ण परमहंस ने विवेकानंद से कहा, अब मेरे पास तुम्हें देने को कुछ नहीं है। राम कृष्ण परमहंस के निधन के पश्चात विवेकानंद के ऊपर उनके समूहों को पूरा करने का भार आ गया।उन्होंने बेल्जुम मंच का संचालन अत्यंत कुशलता से किया।अतः उन्होंने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय देते हुए परिवार को छोड़ दिया और संन्यासी बनने का निर्णय ले लिया। वे तीन साल तक निरंतर हिमालय से लेकर कन्या कुमारी तक भ्रमणशील रहे। भ्रमण के दौरान हिन्दुस्तान के लोगों की दुर्दशा ने उन्हें मर्माहत किया। इसी बात से प्रभावित होकर उन्होंने दीन दुखियों की सेवा और उनकी अज्ञानता को दूर करने के मकसद से रामकृष्ण पीठ की स्थापना की। 31 मई 1893 को वे शिकागो में आयोजित विश्व धर्म सम्मेलन में भाग लेने अमेरिका पहुँचे। घमाभाव के कारण उन्हें सारी रात रेलवे स्टेशन के माल गोदाम के सामने रखे एक पैकिंग के बक्से में गुजारना पड़ा। उन्हें 11 सितम्बर 1893 को शिकागो विश्व धर्म सम्मेलन में प्रवेश दिलाने में एक सम्प्रान्त अमेरिकी महिला ने उनकी मदद की। वह उनसे इतना प्रभावित हुई कि उसने अपने यहाँ उनके रुकने के लिए जगह दी। शिकागो विश्व धर्म सम्मेलन में अधिकतर लोगों ने अपने भाषण की शुरुआत लेडीज एण्ड जेन्टल्मैन से की लेकिन विवेकानंद ने धर्म सम्मेलन में जैसे ही अपना भाषण प्रारंभ किया, उन्होंने कहा अमेरिकावासी मेरे भाईयों और बहनों, वह सुनते ही आर्ट इंस्टीट्यूट का लोगों से खचखच भरा सभागार बार-बार तालियों की गड़गड़ाहट से गूँज उठा।उनके भाषण से लोग चकित थे, मंत्रमुग्ध थे।

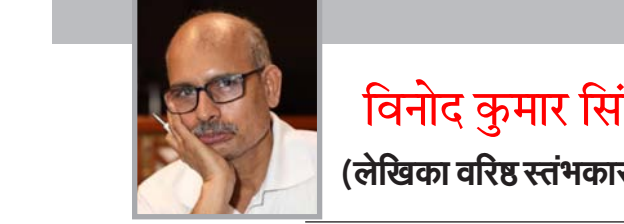
बाल पुरस्कारों के लिए मग्न के बच्चों का आह्वान

डॉ. निवेदिता शर्मा

भारत प्रतिभाओं की धरती है। यहां के गांवों, कस्बों और शहरों में ऐसे हजारों बच्चे हैं, जो अपनी उम्र से कहीं आगे बढ़कर समाज, पर्यावरण, विज्ञान, खेल, कला और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। कोई कठिन परिस्थितियों में भी पढ़ाई जारी रखते हुए वैज्ञानिक सोच के साथ नवाचार कर रहा है, कोई जल और जंगल बचाने का अभियान चला रहा है, कोई राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में नाम रोशन कर रहा है, तो कोई अपनी संवेदनशीलता और साहस से समाज के लिए मिशन बन रहा है। स्वभाविक है इस कार्य को मध्दी प्रदेश के हमारे अपने अनेकों बच्चेले भी कर रहे हैं, किंतु दुर्भाग्य यह है कि इनमें से अनेक बच्चों की प्रेरक कहानियां स्थानीय स्तर तक ही सीमित रह जाती हैं। वास्त्व में ऐसे बच्चों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के उद्देश्य से प्रदेश के बच्चों, अभिभावकों, शिक्षकों, सामाजिक संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों से ह्र्मप्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कारह्म के लिए अधिक से अधिक नामांकन भेजने का आह्वान किया गया है। यह पुरस्कार उस सोच का सम्मान है, जो यह सिद्ध करने है कि परिवर्तन लाने के लिए बड़ी उम्र नहीं, बड़ा संकल्प चाहिए। यदि इच्छाशक्ति मजबूत हो तो छोटी उम्र में भी असाधारण उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार भारत का सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान है, जोकि पांच से 18 वर्ष आयु वर्ग के उन बच्चों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने असाधारण धैर्य, साहस, उच्चनैतिकता और अदम्य जज्बे का परिचय दिया हो। प्रत्येक वर्ष नई दिल्ली में आयोजित विशेष समारोह में भारत के राष्ट्रपति इन प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित करते हैं। पुरस्कार छह श्रेणियों, जिसमें कि बहादुरी, समाज सेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी शामिल हैं, मेंप्रत्येक वर्ष 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के अवसर पर किया जाता है। यह दिवस दसवें सिख गुरु गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजावों, साहिबजाना जोरावर सिंह और साहिबजाना फतेह सिंह के अद्वितीय बलिदान और नैतिक साहस की स्मृतियों को याद करने के लिए है। मात्र नौ और सात वर्ष की आयु में अपने सिद्धांतों और आस्था से समझौता न करने वाले इन वीर बालकों का जीवन आज भी बच्चों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार उसी अवसर परंपरा को वर्तमान पीढ़ी की उपलब्धियां से जोड़ने का माध्यम है, जहां साहस, सेवा, समर्पण और उत्कृष्टता को राष् का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त होता है। वर्ष 2019 में इस पुरस्कार की नई व्यवस्था लागू होने के बाद से अब तक देशभर के 203 बच्चों को सम्मानित किया जा चुका है। इन बच्चों की उपलब्धियां विविध क्षेत्रों में रही हैं। किसी ने बाढ़ या आग जैसी आपदा में लोगों की जान बचाई, किसी ने वैज्ञानिक उपकरण विकसित किए, किसी ने दिव्यांगजनों के लिए उपयोगी तकनीक बनाई, किसी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए हजारों लोगों को जागरूक किया, तो किसी ने खेल या कला के क्षेत्र में भारत का गौरव बढ़ाया। इन प्रेरक कहानियों ने यह साबित किया है कि प्रतिभा किसी बड़े शहर, संसाधन या आर्थिक स्थिति की मोहताज नहीं होती। भय्य प्रदेश में भी ऐसी प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जनजाति अंचलों से लेकर नगर, महानगरों तक अनेक बच्चे अपनी मेहनत और रचनात्मकता से नई पहचान बना रहे हैं। अलग-अलग दिशा में हमारे बच्चेच महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अब ऐसे बच्चों के कार्यों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए आवश्यक है कि समय रहते उनका नामांकन किया जाए। अब जिन छह श्रेणियों में यह पुरस्कार दिया जाता है, उनमें अपने जीवन की परवाह किए बिना दूसरों की सहायता की हो या संकट की घड़ी में अद्वितीय साहस और सूझबूझ का परिचय दिया हो, उसे बहादुरी के अंतर्गत सम्मानन य सम्मानित किया है। समाज सेवा श्रेणी उन बच्चों के लिए है जिन्होंने समाज के कमजोर वर्गों, महिलाओं, बच्चों या समुदाय के हित में प्रेरणादायी कार्य किए हैं।

मोदी का मिशन 360: सत्ता के सुपर बहुमत की राजनीति या लोकतंत्र का नया अध्याय?

मोदी महामिशन मिशन 360 । यद्यपि भारतीय जनता पार्टी ने इस नाम से किसी आधिकारिक अभियान की घोषणा नहीं की है, फिर भी सत्ता और विपक्ष के राजनीतिक गलियारों में यह धारणा तेजी से मजबूत हो रही है कि भाजपा आगामी वर्षों में संसद के दोनों सदनों में ऐसा संख्याबल अर्जित करने की रणनीति पर काम कर रही है, जिससे न केवल राजनीतिक स्थिरता सुनिश्चित होे, बल्कि संवैधानिक एवं नीतिगत सुधारों को भी अपेक्षाकृत सहजता से आगे बढ़ाया जा सके। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह केवल अगले चुनाव की तैयारी नहीं, बल्कि दीर्घकालिक राजनीतिक वर्चस्व की रणनीति का हिस्सा हो सकता है।वही दूसरी ओर विपक्ष इसे लोकतांत्रिक संतुलन के लिए चुनौती बताते हुए आरोप लगा रहा है कि सत्ता पथ विपक्षी दलों में राजनीतिक संघर्ष लगाने का प्रयास कर रहा है।सत्य चाहे जो हो, इनना स्पष्ट है कि भारतीय राजनीति एक नए संक्रमणकाल से गुजर रही है, जहाँ चुनावी जीत के साथ-साथ संसदीय गणित, गठबंधन प्रबंधन और संवैधानिक व्याख्याएँ भी सत्ता की दिशा तय कर रही हैं।भारतीय संविधान किसी भी राजनीतिक दल को व्यापक जनादेश प्राप्त करने से नहीं रोकता।लोकतंत्र का मूल आधार ही जनता का विश्वास है।यदि कोई दल चुनाव जीतकर या वैधानिक गठबंधन के माध्यम से बहुमत प्राप्त करता है तो उसमें कोई असंवैधानिकता नहीं है।



भारतीय राजनीति में इन दिनों एक शब्द तेजी से चर्चा के केंद्र में है - किंतु जब बहुमत प्राप्त करने की प्रक्रिया विपक्षी दलों में टूट, निर्वाचित प्रतिनिधियों के दल परिवर्तन अथवा राजनीतिक पुनर्संर्र्खण के माध्यम से आगे बढ़ती दिखाई देती है, तब लोकतांत्रिक नैतिकता पर बहस स्वाभाविक हो जाती है। यही कारण है कि आज मोदी महामिशन 360 केवल एक राजनीतिक शब्द नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की दिशा को लेकर उठ रहे अनेक प्रश्नों का प्रतीक बन चुका है। लोकसभा में साधारण बहुमत सरकार चलाने के लिए पर्याप्त होता है, किंतु संविधान संशोधन जैसे विषयों पर विशेष बहुमत आवश्यक है।संविधान के अनुच्छेद 368 के अंतर्गत अनेक संशोधनों के लिए दोनों सदनों में विशेष बहुमत चाहिए तथा कुछ मामलों में आधे राज्यों की स्वीकृति भी आवश्यक होती है।इसलिए किसी भी सरकार के लिए केवल सत्ता में बने रहना पर्याप्त नहीं, बल्कि संसद में व्यापक संख्याबल

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भी दो हिस्सों में बंट गई। इन घटनाओं ने केवल सरकार नहीं बदली, बल्कि दल-बदल कानून की व्याख्या, विधानसभा अध्यक्ष की संवैधानिक भूमिका, निर्वाचन आयोग की शक्तियों तथा सर्वोच्च न्यायालय की सीमाओं पर भी व्यापक बहस छेड़ दी।सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि निर्वाचित जनादेश और संवैधानिक मर्यादों दोनों की रक्षा आवश्यक है, किंतु अनेक परिस्थितियों में अंतिम निर्णय विधानसभा अध्यक्ष के अधिकार क्षेत्र से भी जुड़ा रहता है। इससे यह संदेश गया कि आज राजनीतिक लड़ाई केवल विधानसभा या संसद में नहीं, बल्कि न्यायालयों में भी लड़ी जा रही है।मध्य प्रदेश में सरकार परिवर्तन, कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन तथा विभिन्न राज्यों में दल-बदल की घटनाओं ने यह स्थापित किया कि संख्या का खेल अब केवल एक दशक की राजनीति ने यह दिखाया कि कानून होने के बावजूद राजनीतिक पुनर्संरचना पूरी तरह नहीं रुकी।सबसे बड़ा उदाहरण महाराष्ट्र रहा। पहले शिवसेना में विभाजन हुआ और बाद में

इतना व्यापक समर्थन प्राप्त करना हो कि भविष्य के बड़े संवैधानिक एजेंडे को भी आगे बढ़ाया जा सके, तो स्वाभाविक रूप से उसकी रणनीति केवल चुनावी प्रचार तक सीमित नहीं रह सकती।यद्यपि भाजपा इस प्रकार की राजनीतिक चचाओं पर सार्वजनिक रूप से संयमित रुख अपनाती रही है, लेकिन विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा है कि केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई, राजनीतिक दबाव और सत्ता के प्रभाव का उपयोग विपक्षी दलों को कमजोर करने के लिए किया जा रहा है।दूसरी ओर भाजपा का तर्क रहा है कि यदि विपक्ष के नेता स्वयं उसके साथ जुड़ते हैं तो वह लोकतांत्रिक प्रक्रिया का ही हिस्सा है और जनता अंततः चुनाव में इसका निर्णय करती है।यहाँ भारतीय लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा होता है - क्या दल बदलना जनादेश का सम्मान है या जनादेश का पुनर्लेखन?संविधान विशेषज्ञों का एक वर्ग मानता है कि भारतीय संविधान किसी सांसद या विधायक को आजीवन किसी दल से

बन्धा रहने का आदेश नहीं देता, किंतु दसवीं अनुसूची का उद्देश्य व्यक्तिगत राजनीतिक लाभ के लिए निर्वाचित जनादेश को बदलने से रोकना अवश्य है।इसलिए यदि कानून की भावना और राजनीतिक व्यवहार के बीच लगातार दूरी बढ़ती है, तो भविष्य में दल-बदल विरोधी कानून की पुनर्समीक्षा की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता।भारतीय राजनीति का मौजूदा दौर केवल सरकार और विपक्ष के बीच टकराव का नहीं, बल्कि राजनीतिक संगठन क्षमता, नेतृत्व, वैचारिक विस्तार और संसदीय अंकगणित की प्रतिस्पर्धा का भी है।पिछले एक दशक में भाजपा ने स्वयं को केवल एक चुनावी दल के रूप में नहीं, बल्कि देशव्यापी संगठन के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया है। पूर्वोत्तर राज्यों में विस्तार, दक्षिण भारत में बढ़ती राजनीतिक सक्रियता, नए सामाजिक समूहों तक पहुंच और क्षेत्रीय दलों के साथ व्यावहारिक गठबंधन उसकी इसी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा माने जाते हैं।

संसाधनों का उपयोग विपक्षी दलों को कमजोर करने के लिए किया जा रहा है।दूसरी ओर भाजपा का तर्क रहा है कि यदि विपक्ष के नेता स्वयं उसके साथ जुड़ते हैं तो वह लोकतांत्रिक प्रक्रिया का ही हिस्सा है और जनता अंततः चुनाव में इसका निर्णय करती है।यहाँ भारतीय लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा होता है - क्या दल बदलना जनादेश का सम्मान है या जनादेश का पुनर्लेखन?संविधान विशेषज्ञों का एक वर्ग मानता है कि भारतीय संविधान किसी सांसद या विधायक को आजीवन किसी दल से

बंटकें, टैंक और मिसाइलें अब भी अपनी जगह महत्वपूर्ण हैं, लेकिन उनसे कहीं अधिक प्रभावशाली एक नया हथियार हमारे हाथों में आ चुका है।ह्मस्टार्टफोनह्म। यह छोटा-सा उपकरण केवल संवाद का माध्यम नहीं रहा, बल्कि विचारों, सूचनाओं, भावनाओं और जनमत को नियंत्रित करने का सबसे शक्तिशाली साधन बन गया है। विशेष रूप से व्हाट्सएप, जो कभी परिवार और मित्रों के बीच बातचीत का आसान माध्यम माना जाता था, आज सूचना के प्रवाह का ऐसा नेटवर्क बन चुका है जिसकी पहुँच देश के सबसे दूरस्थ गाँव तक है। भारत में करोड़ों लोग प्रतिदिन व्हाट्सएप का उपयोग करते हैं। सुबह उठते ही शुक्राकांमना संदेशों से लेकर रात तक राजनीतिक बहसों, धार्मिक विचारों, वीडियो, समाचारों और तरह-तरह की सूचनाओं का आदान-प्रदान इसी मंच पर होता है। लेकिन इसी सुविधा के साथ एक गंभीर संकट भी जन्म ले चुका है। अब व्हाट्सएप केवल संवाद का मंच नहीं रहा, बल्कि जनमत निर्माण, समाज को प्रभावित करने और कई ह्मस्टार्टफोनह्म। यह छोटा-सा उपकरण केवल संवाद का माध्यम नहीं रहा, बल्कि विचारों, सूचनाओं, भावनाओं और जनमत को नियंत्रित करने का सबसे शक्तिशाली साधन बन गया है। विशेष रूप से व्हाट्सएप, जो कभी परिवार और मित्रों के बीच बातचीत का आसान माध्यम माना जाता था, आज सूचना के प्रवाह का ऐसा नेटवर्क बन चुका है जिसकी पहुँच देश के सबसे दूरस्थ गाँव तक है। भारत में करोड़ों लोग प्रतिदिन व्हाट्सएप का उपयोग करते हैं। सुबह उठते ही शुक्रामना संदेशों से लेकर रात तक



आज का भारत एक ऐसे दौर से गुजर रहा है जहाँ युद्ध के वेल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे हैं। बंदूके, टैंक और मिसाइलें अब भी अपनी जगह महत्वपूर्ण हैं, लेकिन उनसे कहीं अधिक प्रभावशाली एक नया हथियार हमारे हाथों में आ चुका है।ह्मस्टार्टफोनह्म। यह छोटा-सा उपकरण केवल संवाद का माध्यम नहीं रहा, बल्कि विचारों, सूचनाओं, भावनाओं और जनमत को नियंत्रित करने का सबसे शक्तिशाली साधन बन गया है। विशेष रूप से व्हाट्सएप, जो कभी परिवार और मित्रों के बीच बातचीत का आसान माध्यम माना जाता था, आज सूचना के प्रवाह का ऐसा नेटवर्क बन चुका है जिसकी पहुँच देश के सबसे दूरस्थ गाँव तक है। भारत में करोड़ों लोग प्रतिदिन व्हाट्सएप का उपयोग करते हैं। सुबह उठते ही शुक्रामना संदेशों से लेकर रात तक

प्रो. एस.पी. सिंह बघेल

कुछ क्षण केवल एक उपलब्धि भर नहीं होते, वे एक पूरी यात्रा को रोशन कर देते हैं। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 के लिए चार पंचायती राज पहलों का चयन ऐसा ही एक क्षण है, ऐसा क्षण जो किसी एक कार्यालय का नहीं, बल्कि हर ग्राम पंचायत और हर उस नागरिक का है, जिससे डिजिटल रूप से सशक्त ग्रामीण भारत के सपने पर भरोसा किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदृष्टि से प्रेरित होकर, भारत की पंचायतें भरोसे, तकनीक और परिवर्तन का एक नया अध्याय लिख रही हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सुशासन के बारह परिवर्तनकारी वर्षों के इस पड़ाव पर यह सम्मान विशेष महत्व रखता है। यह दर्शाता है कि किस प्रकार पंचायती राज संस्थाएं मात्र योजनाओं के क्रियान्वयन तक

डिजिटल परिवर्तन की श्रेणी में स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त हुआ है। इस सूचकांक के आने से पहले, देश की 2.5 लाख से अधिक ग्रामीण क्षेत्रों के मूल्यांकन के लिए कोई मानकीकृत, डेटा आधारित राष्ट्रीय ढांचा उपलब्ध नहीं था। आज यह सूचकांक डेटा, प्रदर्शन, पहचान और जनभागीकरी को आपस में जोड़ वाली एक पारदर्शी जवाबदेही व्यवस्था का निर्माण कर रही है। उल्लेखनीय यह है कि दो ग्राम पंचायतों ने अपने स्वयं के प्रयासों से यह सम्मान अर्जित किया है। महाराष्ट्र के सांगली जिले की कडेपुर ग्राम पंचायत ने ग्रासरूट स्तर की पहलों की श्रेणी में स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त किया है। वहीं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ब्लॉकचैन जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग से 1, 300 से अधिक सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। वहीं, पश्चिम त्रिपुरा की बिजय नगर ग्राम पंचायत को रजत पुरस्कार मिला है। पंचायत ने अपने स्वयं के स्रोतों से आय में लगभग 194 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है और महिलाओं के बीच शत-प्रतिशत डिजिटल साक्षरता हासिल की है। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिला परिषद के स्वास्थ्य विभाग को ह्वॉइ-आरोग्य धमनीह पहल के माध्यम से दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों के लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए जिला स्तरीय पहल श्रेणी में गोड्ड अवार्ड के लिए चयनित किया गया। ये पुरस्कार मिलकर एक महत्वपूर्ण संदेश देते हैं। ई-गवर्नेंस में उत्कृष्टता अब केवल राज्यों की राजधानियों या जिला मुख्यालयों तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह समान रूप से हमारे गांवों और ग्राम सभाओं में भी

स्थापित हो चुकी है। इस वर्ष 30 राज्यों की 1.65 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों ने इसमें भाग लिया, जो हमारे द्वारा मिलकर तैयार की गई संस्थागत क्षमता और विश्वास की दशात है। यह उपलब्धि संयोग से नहीं मिली है। पिछले बारह वर्षों में मंत्रालय ने पंचायतों को निरंतर बेहतर साधन उपलब्ध कराए हैं। ई-ग्राम स्वराज प्लेटफॉर्म के माध्यम से 2.59 लाख से अधिक पंचायतों में योजना निर्माण, बजट और भुगतान प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण किया गया है, जिससे पब्लिक फाइनैशियल मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से २3.16 लाख करोड़ से अधिक के ऑनलाइन लेन-देन संभव हुए हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सभासार प्लेटफॉर्म, जो 23 भारतीय भाषाओं में कार्य करता है, अब 1.35 लाख से अधिक पंचायतों में चंद मिनटों में ग्राम सभा की कार्यवाही तैयार कर देता



चुनाव के पहले और बाद में कई नेताओं के दल बदलने की घटनाएँ सामने आईं।कुछ नेता तुणामूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए, जबकि बाद में कुछ पुनः वापस लौटे।इन घटनाओं ने यह प्रश्न खड़ा किया कि क्या भारतीय राजनीति में वैचारिक प्रतिबद्धता कमजोर हो रही है और चुनावी गणित अधिक प्रभावी हुई और न ही वे निर्णायक राजनीतिक घटनाक्रम में बदलीं, लेकिन इससे यह संकेत अवश्य मिलता है कि राष्ट्रीय राजनीति में भविष्य के सांसद और प्रत्येक क्षेत्रीय दल प्रत्येक के सत्ता समीकरण का संभावित हिस्सा माना जा रहा है।यहाँ से ह्म मोदी महामिशन 360ह्म की चर्चा को बल मिलता है।यदि किसी राजनीतिक दल का उद्देश्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि संसद में



टीबी उन्मूलन अभियान की सफलता को लेकर डीएम ने की समन्वय बैठक आयोजित

केन्द्रीय विश्वविद्यालय हेतु डीएम ने भू–अर्जन की प्रगति की किए समीक्षा बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी। जिलाधिकारी सह जिला दंडाधिकारी, पूर्वी चम्पारण, सीरभ सुमन यादव ने केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी हेतु भू-अर्जन की प्रगति की समीक्षा की। विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि ने अवगत कराया कि विश्वविद्यालय को वर्तमान में 261 एकड़ भूमि का कब्जा प्राप्त है, तथापि विश्वविद्यालय की आवश्यकताओं हेतु अतिरिक्त 39 एकड़ भूमि की और आवश्यकता है। जिलाधिकारी द्वारा इसको लेकर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी को जरूरी निर्देश दिए गए।बैठक में अपर समाहर्ता पुंकेश कुमार सिन्हा ,उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप

आयोजित की जाए, जिससे कि श्ठ प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। उन्होंने डीपीएम जीविका को निर्देशित किया कि इस कार्यक्रम में स्क्रीनिंग हेतु जीविका दौदी का सहयोग लिया जाय। उन्होंने जिला पंचायती राज पदाधिकारी को निर्देशित किया कि इसमें पंचायती राज प्रतिनिधियों से भी अभियान की सफलता के लिए सहयोग लिया जाय। सिविल सर्जन को निर्देशित किया कि विशेष कर स्लम क्षेत्र एवं महादलित वस्तियों में शिविर लगाकर व्यक्तियों कि स्क्रीनिंग किया जाए। बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों से अपील



डी.बी. उन्मूलन अभियान 14 अगस्त तक चलाया जायेगा, जिसमें 10 लाख व्यक्तियों के स्क्रीनिंग का लक्ष्य निर्धारित है। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी प्रखण्डों में समन्वय बैठक

संक्षिप्त खबरें

शनिवार को सुबह 8 बजे से 2 बजे तक विद्युत आपूर्ति रहेगी टप

रक्सौल। आमोदेई 33 केवी लाइन में आवश्यक मरम्मत और रख रखाव कार्य को लेकर शनिवार को विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए रक्सौल के सहायक विद्युत अभियंता सुनील रंजन कुमार ने बताया कि शनिवार सुबह 8:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक बिजली की आपूर्ति पूरी तरह बंद रहेगी। सहायक विद्युत अभियंता ने बताया कि उक्त मेंटेनेंस कार्य के कारण रामगढ़वा प्रखंड के पटनी, शिवनगर सतपिपरा, चंपापुर और बैरिया वृत्त पंचायत को विद्युत आपूर्ति प्रभावित होगी। इसके साथ ही, सुगौली प्रखंड के अंतर्गत मानसिंहा साउथ व नॉर्थ, राजवाड़ा, करमवा रघुनाथपुर, बंदरिया रोहनिगा, फुलवार उत्तरी व दक्षिणी और बगही पंचायत की बिजली आपूर्ति भी बंद रहेगी। विद्युत अधिकारी ने आम उपभोक्ताओं से अपील की है कि बिजली कटौती की अवधि के दौरान होने वाली असुविधा से बचने के लिए पानी के भंडारण सहित अपने सभी आवश्यक व जरूरी कार्यों को समय रहते निपटा लें, ताकि बिजली गुल रहने के दौरान किसी तरह की पेशानी का सामना न करना पड़े।

वाल्मीकिनगर डीआईईटी के तीन व्याख्याताओं का हुआ स्वादला, शिक्षा विभाग ने जारी किया आदेश

बगहा। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), बिहार ने वाल्मीकिनगर स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डीआईईटी) में कार्यरत तीन व्याख्याताओं के स्थानांतरण का आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार स्थानांतरित व्याख्याताओं को तत्काल प्रभाव से नए पदस्थान पर स्थल पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है। सूत्रों से मिली प्राप्त जानकारी के अनुसार डीआईईटी वाल्मीकिनगर से हेराम दक्षिंत, किशलय किशोर एवं पूनम राय का स्थानांतरण किया गया है। परिषद की ओर से जारी अधिसूचना में संबंधित अधिकारियों को बिना विलंब अपने नए पदस्थान स्थल पर योगदान देने तथा इसकी सूचना राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार, पटना को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। शिक्षा विभाग के इस आदेश के बाद डीआईईटी वाल्मीकिनगर में नए शैक्षणिक सत्र की व्यवस्थाओं को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है। विभागीय सूत्रों के अनुसार रिक्त पदों पर जल्द ही नई पदस्थापन प्रक्रिया पूरी की जा सकती है, ताकि प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक गतिविधियां प्रभावित न हों।

जिले में 34,971 घरेलू और 2,255 वाणिज्यिक सिलेंडर उपलब्ध
बेतिया। जिले में घरेलू एवं वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित है और उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति प्रदान की जा रही है। अपर समाहर्ता-सह-जिला आपूर्ति पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा ने बताया कि वर्तमान में जिले में 14.2 किलोग्राम के 34971 घरेलू गैस सिलेंडर तथा 19 किलोग्राम के 2255 वाणिज्यिक गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि 2 जुलाई को जिलेभर में कुल 11743 गैस सिलेंडरों की सफलतापूर्वक होम डिलीवरी कराई गई। जिला प्रशासन का लगातार प्रयास है कि उपभोक्ताओं को बिना किसी अनावश्यक विलंब के उनके घर तक गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। श्री सिन्हा ने बताया कि गैस आपूर्ति एवं वितरण से संबंधित एक भी शिकायत प्राप्त नहीं हुआ है। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि गैस बुकिंग, डिलीवरी अथवा आपूर्ति से संबंधित किसी भी प्रकार की देरी, अनियमितता या अन्य शिकायत होने पर जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या 06254-247002 एवं 06254-247003 पर संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

नेपाल में बालेन शाह सरकार के 100 दिन पूरे जनहित और सुशासन पर रहे प्रमुख फैसले



प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल में बालेन शाह सरकार ने अपने कार्यकाल के 100 दिन पूरे कर लिए हैं। इस अवधि में सरकार ने सुशासन, प्रशासनिक सुधार और जनसेवा को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। सरकार का दावा है कि शुरूआती 100 दिनों में आम नागरिकों को राहत देने और सरकारी सेवाओं को सरल एवं पारदर्शी बनाने के लिए कई ठोस कदम उठाए गए हैं। सरकार ने पेंशनधारकों को राहत देने के उद्देश्य से पेंशन संबंधी प्रक्रियाओं को आसान बनाने और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश

दिए हैं। वहीं, सरकारी कार्यालयों में लॉबित मामलों के निपटारे के लिए 15 दिनों के भीतर कार्रवाई की व्यवस्था लागू करने पर विशेष जोर दिया गया है, ताकि आम लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। मध्यम वर्ग को राहत देने के लिए बजट में कई प्रावधानों का विस्तार किया गया है। सरकार का कहना है कि इससे आम नागरिकों पर आर्थिक बोझ कम होगा और विकास योजनाओं को गति मिलेगी। साथ ही, सरकारी सेवाओं को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी बनाने के लिए प्रशासनिक सुधारों पर भी काम किया गया है। सरकार का कहना है कि 100 दिनों में लिए गए फैसले आगे के विकास कार्यों और सुशासन की मजबूत नींव साबित होंगे। वहीं, विपक्ष ने इन उपलब्धियों की वास्तविक प्रभावशीलता पर सवाल उठाते हुए कहा है कि सरकार को जमीनी स्तर पर परिणाम और अधिक प्रभावी ढंग से दिखाने होंगे।

भारत विकास परिषद में 5 नये सदस्यों ने ग्रहण की सदस्यता संगठनात्मक अनुशासन पर दिया गया विशेष बल

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। भारत विकास परिषद, शाखाझरक्सौल द्वारा शुक्रवार को शहर के लक्ष्मीपुर स्थित महाराजा बैकवेट हॉल में शाखा स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में परिषद के पंचसूत्र संपर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा एवं समर्पण को व्यवहार में उतारने, संगठनात्मक अनुशासन को सुदृढ़ बनाने तथा सेवा गतिविधियों के विस्तार को लेकर विस्तृत मंथन किया गया। साथ ही 5 नए सदस्यों ने भारत विकास परिषद की सदस्यता ग्रहण कर संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। कार्यशाला का शुभारंभ शाखा अध्यक्ष रजनीश प्रियदर्शी के नेतृत्व में क्षेत्रीय एवं प्रांतीय दायित्वधारियों संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन, भारत माता एवं स्वामी विवेकानंद के तैलचित्र पर

पुष्पांजलि तथा सरस्वती विद्या मंदिर रक्सौल की छत्राओं सामूहिक वंदे मातरम् एवं स्वागत गायन के साथ हुआ।स्वागत भाषण में शाखा अध्यक्ष रजनीश प्रियदर्शी ने कहा कि भारत विकास परिषद केवल एक सामाजिक संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सशक्त अभियान है। परिषद का प्रत्येक सदस्य सेवा, संस्कार और समर्पण की भावना के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का संकल्प लेकर कार्य करता है। कार्यशाला के प्रथम सत्र में क्षेत्रीय वित्त सचिव सीए के. के. सिंह परिषद ने परिषद की विचारधारा, उद्देश्य, संगठनात्मक संरचना, शाखा संचालन, प्रोटोकॉल, नियम एवं कार्यप्रणाली पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि अनुशासित एवं सक्रिय संगठन ही समाज में स्थायी परिवर्तन ला सकता है। प्रांतीय अध्यक्ष पुतुल सिन्हा ने संस्कार

गतिविधि पर विचार रखते हुए परिवार एवं समाज में नैतिक मूल्यों के संवर्धन पक्ष के माध्यम पर बल दिया।प्रांतीय संगठन सचिव डॉ. नवनीत शांडिल्य ने सेवा गतिविधियों को परिषद की पहचान बताते हुए उन्हें जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। वहीं क्षेत्रीय संपर्क समन्वयक अमरनाथ प्रसाद ने संपर्क विस्तार एवं सदस्यता अभियान को संगठन की आधारशिला बताते हुए प्रत्येक सदस्य को नए लोगों को परिषद से जोड़ने का संकल्प लेने का अपील की। महिला सहभागिता पर धीरा गुप्ता ने मातृशक्ति की सक्रिय भागीदारी को संगठन की सफलता का महत्वपूर्ण आधार बताया। द्वितीय सत्र में केशव कुष्ण ने पर्यावरण संरक्षण, सीए के.के. चौधरी ने वित्तीय प्रबंधन, पारदर्शिता, गतिषद के नियम, प्रोटोकॉल एवं पांचों गतिविधियों में सदस्यों के दायित्व निर्धारण पर

ठागहा में विवाहिता की सदिग्ध मौत, मायके पक्ष ने दहेज प्रताड़ना व हत्या का लगाया आरोप पोस्टमार्टम के बाद जांच में जुटी पुलिस, 18 माह की मासूम बेटी को छोड़ गई राधा देवी

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। बगहा पुलिस जिले के चौतरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत पतौलार पंचायत के वार्ड संख्या-09 में 28 वर्षीय विवाहिता राधा देवी की सदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। राधा देवी, रंजन पासवान की पत्नी थीं। करते हुए कहा कि गमी के मौसम में सांप रिहायशी इलाकों में आ सकते हैं। ऐसी स्थिति में घबराने या सांप को मारने का प्रयास न करें, बल्कि उससे सुरक्षित दूरी बनाकर तुरंत वन विभाग को सूचना दें, ताकि प्रशिक्षित रेस्क्यू टीम सुरक्षित तरीके से उसे पकड़कर जंगल में छोड़ सके।

जनसुनवाई में जिला पदाधिकारी ने सुनीं 131 शिकायतें

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय परिसर में आयोजित जनसुनवाई में जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने आम लोगों की समस्याएं सुनीं। जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से पहुंचे फरियादियों ने अपनी शिकायतें सीधे जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। जनसुनवाई के दौरान कुल 131 मामलों की सुनवाई हुई, जिनमें कई शिकायतों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जबकि शेष मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में भूमि विवाद, राजस्व संबंधी मामले, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रजातीय अंतराध्याय योजना, बजटीय आपूर्ति, पेयजल संकट, सड़क निर्माण एवं भरमत्त तथा राशन कार्ड से संबंधित शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आईं। जिलाधिकारी ने

विस्तार से जानकारी दी। साथ ही परिषद के मोबाइल ऐप एवं वेबसाइट के प्रभावी उपयोग पर भी प्रशिक्षण दिया गया। मुक्त चिंतन सत्र में सदस्यों ने शाखा की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए। कार्यशाला के दौरान सदस्यता विस्तार अभियान के अंतर्गत 5 नए सदस्यों को परिषद की सदस्यता दिलाई गई। सभी नव सदस्यों ने परिषद के आदर्शों, सेवा, संस्कार, सहयोग, संपर्क एवं समर्पण की भावना के साथ समाज हित में कार्य करने तथा संगठनात्मक अनुशासन का पालन करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में शाखा सचिव नरेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यशाला का समापन हुआ। इसके पश्चात सभी सदस्यों ने सामूहिक भोजन में सहभागिता की।

●बगहा एसपी राजेश कुमार ने एसएसबी अधिकारियों के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों का किया निरीक्षण, सदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी के दिए निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। इंडो-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से बगहा पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने 21वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के अधिकारियों के साथ वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र में संयुक्त निरीक्षण किया। इस दौरान सीमावर्ती इलाकों, आवागमन मार्गों एवं संवेदनशील स्थलों का बारीकी से जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने सीमा पर तैनात एसएसबी एवं बिहार पुलिस के जवानों से सुरक्षा व्यवस्था, नियमित गश्त तथा

सीमाई गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने सीमा पर सदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क निगरानी रखने, अवैध आवाजाही एवं तस्करी पर प्रभावी रोक लगाने तथा पुलिस-एसएसबी के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर वाल्मीकिनगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सहित एसएसबी एवं बिहार पुलिस के कई अधिकारी और जवान मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक ने सीमावर्ती क्षेत्रों में विधि-व्यवस्था बनाए रखने, नियमित संयुक्त गश्त करने तथा किसी

भी अपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। एसपी राजेश कुमार ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस और एसएसबी के बीच समन्वित कार्रवाई से सीमा पर अपराध, तस्करी और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सकेगा। उन्होंने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में नियमित संयुक्त निरीक्षण और गश्ती अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

पति की कथित बेवफाई और प्रताड़ना से आहत विवाहिता मोबाइल टावर पर चढ़ी, पुलिस की सूझबूझ से बची जान

बगहा। बगहा नगर में शुक्रवार की सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक 25 वर्षीय विवाहिता पारिवारिक विवाद और पति की कथित बेवफाई से आहत होकर मोबाइल टावर पर चढ़ गई। घटना की सूचना मिलते ही पटखौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और काफी देर तक समझाइश एवं सूझबूझ से काम लेते हुए महिला को सुरक्षित नीचे उतार लिया। इस दौरान घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। जानकारी के अनुसार, बगहा-2 प्रखंड की मंगलपुर औसानी पंचायत के वार्ड संख्या-12 निवासी विकास साहनी की पत्नी रंजना कुमारी ने बताया कि दोनों उत्तर प्रदेश के सिकंदराबाद स्थित एक निजी कंपनी में साथ काम करते थे। इसी दौरान दोनों के बीच प्रेम संबंध हुआ और वर्ष 2025 में मंदिर में विवाह कर पति-पत्नी के रूप में रहने लगे। रंजना का आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद विकास अपने घर लौट आया और धीरे-धीरे उससे दूरी बनाने लगा। उसने फोन पर बातचीत भी बंद कर दी। महिला के अनुसार, गुरुवार को वह अपने मायके उत्तर प्रदेश के कप्तानगंज से ससुराल पहुंची, जहां उसके पति ने उसके साथ मारपीट की, दुर्व्यवहार किया, घर से निकाल दिया और जान से मारने की धमकी दी। उसने यह भी आरोप लगाया कि उसके पति का किसी अन्य महिला से संबंध है और वह अब उसे अपनाने से इनकार कर रहा है। पटखौली थानाध्यक्ष उपलव कांत ने बताया कि महिला द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है। दोनों पक्षों के परिजनों को थाने बुलाया गया है। उनके आने के बाद मामले की निष्पक्ष जांच कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

वाल्मीकिनगर में 266 महिला आउटपेड का भव्य पासिंग आउट परेड

बगहा। वाल्मीकिनगर स्थित महिला स्वाभिमान बर्दालियन परिसर में आयोजित भव्य पासिंग आउट परेड समारोह के दौरान 215 दिनों का कठिन बुनियादी प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वाली 266 महिला जवानों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। समारोह में प्रशिक्षुओं ने अनुशासन, परेड और प्रशिक्षण कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसकी उपस्थित अधिकारियों ने सरगर्भा की। समारोह को संबोधित करते हुए कमांडेंट निर्मला कुमारी ने कहा कि बुनियादी सुविधाओं के अभाव के बावजूद प्रशिक्षकों और जवानों के समर्पण से सभी प्रशिक्षुओं को उच्च गुणवत्ता का प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी प्रशिक्षण की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया गया और सभी महिला जवानों को शारीरिक, मानसिक एवं व्यावसायिक रूप से सक्षम बनाया गया। कमांडेंट ने बताया कि वर्ष 2025 बैच के अंतर्गत सीटीएस रामनगर से 62, जमालपुर से 9, कटिहार से 41, सिंगरताला से 62, मुजफ्फरपुर से 18, पटना से 16 तथा डुमराव से 68 प्रशिक्षुओं सहित कुल 266 महिला जवानों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त कर पासिंग आउट किया। इस अवसर पर डीआईटी हर किशोर सिंह, बगहा पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार, कमांडेंट निर्मला कुमारी सहित बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी, प्रशिक्षक, जवान एवं आमंत्रित अतिथि उपस्थित रहे। अधिकारियों ने नव नियुक्त महिला जवानों को शुभकामनाएं देते हुए कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और ईमानदारी के साथ सेवा करने का आह्वान किया।



कुमार, नगर आयुक्त आशीष कुमार, जिला भू अर्जन पदाधिकारी अरुण कुमार, सदर अनुमंडल पदाधिकारी

निशांत सिहारा सहित विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

जून में नेपाल पहुंचे 91 हजार से अधिक विदेशी पर्यटक, पर्यटन क्षेत्र में 19.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी



● भारतीय पर्यटकों की संख्या सबसे अधिक, पर्यटन उद्योग में लौटी रौनक; नेपाल पर्यटन बोर्ड ने जारी किए आंकड़े

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल के पर्यटन क्षेत्र के लिए जून महीना उत्साहजनक रहा। नेपाल पर्यटन बोर्ड (एनटीबी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार जून 2026 में हवाई मार्ग से 91,363 विदेशी पर्यटक नेपाल पहुंचे। यह संख्या पिछले वर्ष जून की तुलना में 19.5 प्रतिशत अधिक है, जो देश के पर्यटन उद्योग में लगातार हो

रही मजबूती को दर्शाती है। आंकड़ों के अनुसार, जून में भारत नेपाल आने वाले पर्यटकों का सबसे बड़ा स्रोत रहा। भारत से 41,809 पर्यटक नेपाल पहुंचे। इसके बाद संयुक्त राज्य अमेरिका से 11,836 और चीन से 9,995 पर्यटकों का आगमन दर्ज किया गया। नेपाल पर्यटन बोर्ड का कहना है कि बेहतर हवाई संपर्क, धार्मिक एवं साहसिक पर्यटन की बढ़ती लोकप्रियता और पर्यटन प्रोत्साहन अभियानों के कारण विदेशी पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों ने भी इसे आगामी पर्यटन सीजन के लिए सकारात्मक संकेत बताया है।

इंडो-नेपाल सीमा पर पुलिस-एसएसबी का संयुक्त निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

●बगहा एसपी राजेश कुमार ने एसएसबी अधिकारियों के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों का किया निरीक्षण, सदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी के दिए निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। इंडो-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से बगहा पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने 21वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के अधिकारियों के साथ वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र में संयुक्त निरीक्षण किया। इस दौरान सीमावर्ती इलाकों, आवागमन मार्गों एवं संवेदनशील स्थलों का बारीकी से जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने सीमा पर तैनात एसएसबी एवं बिहार पुलिस के जवानों से सुरक्षा व्यवस्था, नियमित गश्त तथा

दिन राधा ने सब्जी खरीदने के लिए 100 रुपये मांगे थे, जिस पर उन्होंने फोनपे के माध्यम से 300 रुपये भेजे। कुछ देर बाद ग्रामीणों ने फोन कर उसकी मौत की सूचना दी। परिजनों का आरोप है कि राधा की हत्या कर दी गई है और दोगियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। इधर, चौतरवा थाना पुलिस ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करा लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मृतका के परिजनों द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच कर रही है।



सभी मामलों की बारीकी से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक शिकायत को निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। जन सुनवाई के दौरान सुनैना देवी, लालबाबू सिंह, रूद्र नारायण पाण्डेय, मोहन महता, किशोर ठाकुर, राजकुमारी मिश्र, संजय कुमार द्विवेदी, फूलमती देवी, मोहन मांझी, सकिला खातून, शंभुनाथ प्रसाद, राजेन्द्र महतो सहित बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। जनसुनवाई कार्यक्रम राज्य सरकार

के सात निश्चय-3 के तहत संचालित सबका सम्मान-जीवन आसान अभियान का हिस्सा है। इसका उद्देश्य आम लोगों की शिकायतों का त्वरित समाधान कर पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्री काजले वैभव नितिन, अपर समाहर्ता राजीव रंजन सिन्हा, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी श्री अहमद कुमार, वरीय उप समाहर्ता श्री अमरेंद्र अली अंसारी, पीजीआरओ श्री मासूम अंसारी समेत अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।



टीबी मुक्त भारत अभियान की समीक्षा जिला पदाधिकारी ने दिए स्क्रीनिंग तेज करने के निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

सिवान: जिला पदाधिकारी विवेक रंजन मैत्रेय की अध्यक्षता में शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से टीबी मुक्त भारत अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी प्रखंडों में यक्ष्मा (टीबी) की पहचान, स्क्रीनिंग एवं उपचार से संबंधित कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई तथा अभियान की और प्रभावी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी प्रखंडों में संभावित टीबी मरीजों की पहचान कर प्राथमिकता के आधार पर उनकी स्क्रीनिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के माध्यम

से प्रतिदिन 20-20 संभावित टीबी मरीजों की स्क्रीनिंग की जाए। वहीं,राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत संचालित प्रत्येक चलंत चिकित्सा दल को प्रतिदिन 100-100 संभावित मरीजों की जांच करने का लक्ष्य दिया गया। साथ ही सभी स्वास्थ्य संस्थानों में प्रतिदिन आने वाले मरीजों की भी टीबी स्क्रीनिंग कराने का निर्देश दिया गया।बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि स्क्रीनिंग के बाद सभी संभावित टीबी मरीजों का विवरण अनिवार्य रूप से निक्षय पोर्टल पर दर्ज किया जाए, ताकि मरीजों की समय पर पहचान, उपचार और निगरानी सुनिश्चित हो सके।जिला पदाधिकारी ने प्रत्येक प्रखंड में प्रखंड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में टीबी मुक्त भारत अभियान की साप्ताहिक समीक्षा बैठक नियमित रूप से



आयोजित करने का भी निर्देश दिया।समीक्षा बैठक में जिला स्तर से सिविल सर्जन, जिला संचारी रोग पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कल्याण

ओटीसी बरौनी में 4 बिहार बटालियन एनसीसी

भागलपुर के सीएसटी -8 शिविर का भव्य शुभारंभ

प्रातः किरण संवाददाता

मुंगेर / बरौनी (मुंगेर)। 4 बिहार बटालियन एनसीसी, भागलपुर के तत्वावधान में डब्ज बरौनी में 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर-8 (उअब्ज-8) का भव्य शुभारंभ किया गया। शिविर का उद्घाटन बटालियन के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल विकास मंडल ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दस दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर में बिहार के विभिन्न जिलों से लगभग 500 ठउउ कैडेट भाग ले रहे हैं।



उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए लेफ्टिनेंट कर्नल विकास मंडल ने कहा कि उअब्ज का मुख्य उद्देश्य कैडेटों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, राष्ट्रभक्ति तथा सेवा-भाव का विकास करना है। उन्होंने कहा कि

तथा सामाजिक जागरूकता विषयों पर विशेष व्याख्यान एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर सूबेदार मेजर सीतल सिंह, अठउ डॉ. कादम्बिनी कुमारी, डॉ. प्रियंवदा शर्मा, डॉ. तुषार कान्त झा, पूनम कुमारी, उब्ज समीक्षा, सूबेदार पी. के. गौड़ा, सूबेदार प्रवीण थापा, सूबेदार जगदीप सिंह, नायब सूबेदार लखविंदर सिंह तथा अन्य ढकस्टाफ उपस्थित रहे।

हवेली खड़गपुर के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में दक्षिणी बिहार के सेवा प्रमुख का हुआ स्वागत

प्रातः किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। नगर स्थित सुभाष चंद्र कार्दबरी साहा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के वंदना सभा स्थल पर शुक्रवार, 3 जुलाई 2026 को दक्षिणी बिहार के सेवा प्रमुख परमेश्वर कुमार एवं गंगा चौधरी का विद्यालय आगमन हुआ।

विद्यालय के प्रधानाचार्य अजय कुमार तथा समस्त आचार्य - आचार्याओं ने पुष्पगुच्छ भेंट कर दोनों अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। वंदना सभा के दौरान विद्यालय की छात्राओं ने अतिथियों का तिलक लगाकर स्वागत किया तथा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ कराया। इसके बाद आयोजित वंदना सभा में परमेश्वर कुमार ने अपने प्रेरणादायी आशीर्वाचन से छात्र-



छात्राओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय में प्रत्येक दिन की शुरुआत वंदना सभा से होती है, इसलिए वंदना स्थल का वातावरण स्वच्छ, व्यवस्थित एवं प्रेरणादायी होना चाहिए। उन्होंने वंदना सभा स्थल के सर्वांगीण विकास एवं नियमित

शराब के नशे में हंगामा कर रहे दो व्यक्ति गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजे गए

प्रातः किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर) अनुमंडल के टेटियां बंबर थाना पुलिस ने शुक्रवार को कारंवाई करते हुए शराब के नशे में हंगामा कर रहे दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

थानाध्यक्ष मुकेश कुमार केहरी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति शराब के नशे में हंगामा कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों को हिरासत में ले लिया।

पुलिस द्वारा ब्रेथ एनालाइजर मशीन से जांच करने पर दोनों के शराब सेवन की पुष्टि हुई। इसके बाद नियमानुसार



उनकी मेडिकल जांच भी कराई गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गंगटा थाना क्षेत्र के तेतरिया गांव निवासी 55 वर्षीय जहेन्द्र यादव तथा जमघट गांव निवासी 45 वर्षीय संजय कुमार के रूप में हुई है। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद दोनों को माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक

बारिश की बेरुखी से बढ़ी किसानों की चिंता, सूखने की कगार पर धान का बिचड़ा

सीवान/दरौदा प्रखंड क्षेत्र में पर्याप्त बारिश नहीं होने और भीषण गर्मी के कारण किसानों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। मौसम की तल्खी का असर खेती पर साफ दिखाई देने लगा है। खेतों में दरारें पड़ गई हैं और धान का बिचड़ा सूखने की कगार पर पहुंच गया है। ऐसे में किसानों को इस वर्ष खेती पिछड़ने और उत्पादन प्रभावित होने की आशंका सता रही है।

जानकारी के अनुसार, प्रखंड के अधिकांश किसानों ने 25 मई के बाद धान का बिचड़ा गिराया था। लेकिन इस वर्ष समय पर बारिश नहीं होने और लगातार पड़ रही गर्मी के कारण बिचड़े का समुचित विकास नहीं हो पा रहा है। स्थिति यह है कि कई स्थानों पर बिचड़ा सूखने लगा है।

बिचड़े को बचाने के लिए किसान पंपसेट के सहारे खेतों की सिंचाई कर रहे हैं। बावजूद इसके उमस और तेज धूप के कारण खेतों में पर्याप्त नमी नहीं बन पा रही है, जिससे पौधों की बढ़वार रुक गई है। किसानों का कहना है कि धान के बिचड़े के बेहतर विकास के लिए लगातार नमी और अच्छी वर्षा आवश्यक है। जब तक पर्याप्त बारिश नहीं होगी, तब तक बिचड़ा पूरी तरह विकसित नहीं हो सकेगा। तेज धूप के कारण खेतों में बिचड़ा झुलसने का भी खतरा बना हुआ है।

किसानों ने बताया कि अधिकांश लोगों ने धान की बुआई के लिए बोंज गिरा दिए हैं, लेकिन मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण इस वर्ष धान की पैदावार प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। अब किसानों की निगाहें आसमान पर टिकी हैं और वे अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं।

सदर अस्पताल में टीओपी थाना का शुभारंभ मरीजों को मिलेगी 24 घंटे पुलिस सहायता

प्रातः किरण संवाददाता

सिवान: जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के साथ सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिला पदाधिकारी विवेक रंजन मैत्रेय एवं पुलिस अधीक्षक पुरण कुमार झा ने शुक्रवार को संयुक्त रूप से सदर अस्पताल, सिवान परिसर में टीओपी थाना का उद्घाटन किया।

शुभारंभ के बाद जिला पदाधिकारी ने कहा कि सदर अस्पताल में टीओपी थाना की स्थापना का उद्देश्य मेडिको-लीगरल मामलों एवं अन्य विधिक प्रक्रियाओं को सरल और त्वरित बनाना है। अब अस्पताल आने वाले पीड़ितों एवं उनके परिजनों को पुलिस सहायता के लिए अलग से थाना जाने की आवश्यकता नहीं होगी। सदर अस्पताल परिसर में 24 घंटे पुलिस की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

उन्होंने बताया कि अस्पताल में कार्यरत चिकित्सकों एवं पारा



मेडिकल कर्मियों की सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी यह टीओपी थाना महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। किसी भी अग्रिय घटना या सुरक्षा संबंधी समस्या की स्थिति में तत्काल पुलिस सहायता उपलब्ध होगी।

जिला पदाधिकारी ने कहा कि अस्पताल परिसर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने में भी टीओपी थाना सहायक सिद्ध होगा। इससे मरीजों, उनके परिजनों तथा अस्पताल

कर्मियों को सुरक्षित और बेहतर वातावरण उपलब्ध होगा।

इस अवसर पर सदर अस्पताल के अधीक्षक, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक (स्वास्थ्य), अस्पताल के चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मि एवं पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने अस्पताल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

जननायक शमशेर जंग बहादुर सिंह की जयंती पर याद किए गए उनके योगदान, शिक्षा और जनसेवा को बताया प्रेरणास्रोत

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। पूर्व श्रम एवं नियोजन तथा संसदीय कार्य मंत्री और हवेली खड़गपुर के लोकप्रिय जननेता स्वर्गीय शमशेर जंग बहादुर सिंह की जयंती पर गुरुवार को उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर नरेंद्र सिंह महाविद्यालय के अध्यक्ष निरंजन सिंह ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद किया।उन्होंने कहा कि 3 जुलाई 1934 को जन्मे स्वर्गीय शमशेर जंग बहादुर सिंह ने राजनीति को जनसेवा का माध्यम बनाया। वे सादगी, ईमानदारी और सामाजिक सरोकारों के लिए जाने जाते थे। जनता के विश्वास के बल पर वे 1967, 1969 और 1977 में लगातार हवेली खड़गपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुए। वर्ष 1977 से 1980 तक बिहार सरकार में श्रम एवं नियोजन तथा संसदीय कार्य मंत्री के रूप में उन्होंने श्रमिकों के अधिकार, रोजगार और संसदीय परंपराओं को मजबूत करने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए। निरंजन सिंह ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका योगदान अविस्मरणीय है।

खुलनी पंचायत में मूलभूत सुविधा का अभाव और भ्रष्टाचार के खिलाफ पचरुखी बाजार में हुआ महाधरना

प्रातः किरण संवाददाता

भागलपुर। जिले के शाहकुण्ड प्रखंड के पचरुखी बाजार में नवजागरण संकल्प समिति के बैनर तले समिति के अध्यक्ष पंकज कुमार सिंह के नेतृत्व में खुलनी पंचायत में हर घर पेयजल आपूर्ति,साफ सफाई, सोलर लाइट सहित मूलभूत समस्याओं की मांग और पंचायत में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर एकदिवसीय महाधरना दिया गया,इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि पुरे खुलनी पंचायत में हर घर नल का जल योजना पूरी तरह धराशाई हो चुका है , पंचायत में सफाई व्यवस्था पूरी तरह लचर है , पंचायत में रोशनी की व्यवस्था दुरुस्त नहीं रहने के कारण रात्रि में लगातार आपराधिक घटनाओं में वृद्धि हो रही है, खासकर महिलाओं और लड़कियों को रात्रि में अंधेरा होने के कारण घर से निकलने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, बरसात के पूर्व नाले की उड़ाही नहीं होने के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है और बरसात में जल जमाव होने के कारण इसकी चोट में आने से बड़ी संख्या में लोग बीमार भी पड़ते



श्रम अधीक्षक सत्य प्रकाश की पदोन्नति पर विदाई सह सम्मान समारोह का हुआ आयोजन



मुंगेर:।जिला श्रम अधीक्षक सत्य प्रकाश की सहायक श्रम आयुक्त के पद पर पदोन्नति व स्थानांतरण के बाद विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रम परिवर्तन पदाधिकारी विक्रम कुमार ने किया। समारोह में नवनियुक्त श्रम अधीक्षक दिलीप कुमार झा का फूल माला पहनाकर एवं अंग वस्त्र देकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि श्रम आयुक्त आफताब आलम ने कहा कि सेवा काल में स्थानांतरण की प्रक्रिया लगी रहती है, हमें निष्ठापूर्वक सेवा देते रहना चाहिए।विदाई भाषण में सत्य प्रकाश ने कहा कि मुंगेर से मिला सम्मान वे कभी नहीं भूल सकते। इस मौके पर सभी प्रखंडों के श्रम परिवर्तन पदाधिकारी, कार्यालय कर्मों तथा दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

आयुक्त के सचिव ने की जन सुनवाई



मुंगेर। आयुक्त के सचिव सुधीर कुमार के द्वारा शुक्रवार को जनता दरबार में आए हुए आवेदकों के आवेदन पर सुनवाई की गई। जिसमें कुल 03 आवेदन क्रमशः मुंगेर जिला से तीन आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदन मे भूमि विवाद एवं अन्य जनहित से जुड़े मुद्दे शामिल थे। जिन पर आयुक्त के सचिव के द्वारा गंभीरता एवं विस्तार में विचार के उपरांत सभी संबंधित पदाधिकारियों को आवेदन पत्रो पर त्वरित कारवाई करते हुए, विभागीय नियमों के अनुपालन सहित, निष्पादन करने एवं प्रतिवेदन देने को कहा गया।

शादी समारोह में छह वर्षीय बच्चे से मारपीट प्राथमिकी दर्ज

सीवान/दरौदा। थाना क्षेत्र के बालडीह गांव में एक शादी समारोह के दौरान छह वर्षीय बच्चे के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। इस संबंध में बच्चे के दादा के आवेदन पर दरौदा थाना में एक नामजद आरोपित के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, बालडीह गांव निवासी पिछारी महतो ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि 24 जून की रात करीब 10 बजे गांव के देवलाल साह एवं समुद्र साह के यहां बारात आई थी। शादी समारोह में उनका छह वर्षीय पोता प्रेम कुमार भी अर्केस्ट्रा देखने गया था। अर्केस्ट्रा जिस ट्रैक्टर पर चला रहा था, उस पर बच्चा भी चढ़ गया था।आरोप है कि इसी दौरान गांव के प्रमेश मांझी बच्चे को ट्रैक्टर से उतारकर फुलवारी की ओर ले गया और वहां मशीन के पास छोड़ दिया। घटना के बाद परिजनों ने मामले की शिकायत पुलिस से की।

दरौदा थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित के आवेदन के आधार पर नामजद आरोपित के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है तथा जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मनोरंजन कुमार साह बने एसडीएम गांव में दौड़ी खुशी की लहर



प्रातः किरण संवाददाता

सारण जिले के एकमा प्रखंड अंतरगत अतरसन पंचायत के मेुधु छात्रा गांव निवासी मनोरंजन कुमार साह ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की परीक्षा उत्तीर्ण कर एसडीएम (अनुमंडल पदाधिकारी) का पद प्राप्त किया है। उनकी इस उपलब्धि से गांव और आसपास के क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

मनोरंजन कुमार साह के एसडीएम बनने पर युवा सामाजिक कार्यकर्ता त्रिलोकी यादव ने अपने समर्थकों के साथ उनका फूलमाला एवं अंगवस्त्र

दहा नदी से अज्ञात युवक का शव बरामद, पहचान में जुटी पुलिस

सीवान। जिले के पकवालिवा गांव स्थित दहा नदी से एक अज्ञात युवक का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना के बाद आसपास के ग्रामीणों की भारी भीड़ घटनास्थल पर जुट गई। घटना को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।जानकारी के अनुसार, नदी किनारे मवेशी चरा रहे चरवाहों की नजर सबसे पहले शव पर पड़ी। उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय लोगों को दी, जिसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलते ही पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है।शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि यदि किसी को मृत युवक की पहचान के संबंध में कोई जानकारी हो तो निकटतम थाना को सूचित करें, ताकि शव की पहचान कर परिजनों तक सूचना पहुंचाई जा सके।

घर में घुसकर सोने की चेन, मंगलसूत्र व मोबाइल की चोरी, प्राथमिकी दर्ज



प्रातः किरण संवाददाता

सीवान/दरौदा थाना क्षेत्र के खड़सरा गांव में गुरुवार की देर रात अज्ञात चोरों द्वारा घर में घुसकर आभूषण और मोबाइल चोरी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित के आवेदन पर दरौदा थाना में अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, खड़सरा गांव निवासी हरेन्द्र यादव ने दर्ज कराई गई प्राथमिकी में बताया है कि गुरुवार की रात करीब 1:30

बजे उनकी पत्नी और बहू के चिल्लाने की आवाज सुनकर वह घर पहुंचे। इस दौरान पत्नी और बहू ने बताया कि दो अज्ञात युवक घर में घुस आए थे। आरोप है कि चोरों ने उनकी पत्नी के गले से सोने की चेन तथा बहू के गले से मंगलसूत्र छीन लिया। इसके अलावा बिस्तर पर रखा रेडमी नोट-10एस मोबाइल फोन भी लेकर फरार हो गए।पीड़ित के अनुसार, चोरी गए आभूषणों की अनुमानित कीमत करीब 40 हजार रुपये तथा मोबाइल की कीमत लगभग 15 हजार रुपये है। घटना के बाद ग्रामीणों के सहयोग

से काफी खोजबीन की गई, लेकिन चोरों का कोई सुराग नहीं मिल सका। उन्होंने बताया कि चोरी हुए मोबाइल नंबर पर कॉल करने पर घंटी बज रही है, लेकिन कोई फोन रिसीव नहीं कर रहा है।

इस संबंध में थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित के आवेदन पर अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस मोबाइल की तकनीकी जांच सहित अन्य बिंदुओं पर जांच कर रही है। जल्द ही मामले का खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है।

